समभुनाथ
माहातअ
(बँसरिआर)

कुड़मालि छितरन

धरअमेक डहअरेँ काँटा

(DHORMEK DOHORE KANTA)

~ चिसअइआ~

समभुनाथ माहातअ (बँसरिआर)

~ निखरान ~

पः बः कुड़मालि एकाडेमि

DHORMEK DOHORE KANTA
(KUDMALI NOVEL)

By

- **Sambhunath Mahato (Bansriar)**

- **Edition I (2023)**

- Published by

'West Bengal Kudmali Academy' Publication
At- Hetjari, PO-Uparjari, PS-Arsha, Dist.-
Purulia (W.B.), Pin-723201

- **ISBN: 978-81-963081-8-6**

- **Printed by**

Sarada Press [Hetjari, Arsha, Purulia (W.B)]

- **Cover & Layout Design**
by
Manohar Mahato

- ***Price Rs. 75.00 (Seventy Five only)***

~ उछुगुन ~

कुड़मालि भाखि-चारिक
तेँहेँ
जिउ आड़ि हामदुमि करअइआराक
गड़तरेँ

दुइ टुम

आन जाति जनजाति लकेक सम्पर्क भाषा हिसाबे भाखिक पाँताएँ कुड़मालि भाखि एकटा मसतअ, जबअर, दढ़अ भाखि हेकेइक। इ भाखिटा एतना झबरल, पसरल, आहेइक जे सँझड़ाइआ लग निहि ताकरे जालाँइ कुड़मि जनजातिक बादउ आन जाति-जनजातिक, सम्पर्क भाखि हेकेइक। तबे लिखित साहित कर अभाबे एतना झबरल बादउ जन जन तक पसरेक गति टा कम आहेइक। अहे माहान कुड़मालि साहित कर भाँड़ार भरेक खातिर लिखित साहितके समाज पास आनेक बेजाँइ दरकार। तबे हँ, एखन साहित के पसराएक तेहेँ आर भाँड़ार भरेक तेहेँ बेजाइन गुनि-गेआनि लग डहरलाहात आर आपन मन-प्राण दे हिबड़ल आहात। एहे भितरे एक साहितकार समभुनाथ माहतअ (बँसरिआर), आपन माँइ भाखिके सुँसराएक तेहेँ इ धरम पथे नाभल आहात आर एकटा उपन्यास (छितरन) "धरअमेक डहअरेँ काँटा" चिसेक चेसटा करल आहात। इटाएँ देखाए खजल आहात जे हामराक बुढ़ा पुरखाएँ कतना मगज मारि भाखि-चारि के टेकाए राखल आहात आर एकटा सुघड़ समाजेक सिसटि बा गढ़ेक कसनि करलाहात। दसर बाटे एहे समाजेक भितरेइ एकबाटे चेटकार लगे बसि-माड़ि बिना पाटु करि लगके आझान-बाझान करि झागड़ा लागाइ खात बा निजेक पेट भरत। एहेटाक दृश्य के केन्द्र-बिन्दु करि समाजेक पासे राखल आहात जेटाएँ गेआन-बिगान कर मेसा साना छँक आहेइक, बेस-बेकार जानेक समझेक डहर देखाल आहेइक। जेटाएँ पाठक के बेजात्र लाभ पाउआतेइक जेसे भबिसते समझेक – बुझेक खातिर नजेइर खलातेइक। मएँ उपन्यास लेखक के हिआ खलास मने साबासि, आसिस आर सुभकामना देहेँइ जेसे आगु बाटे कुड़मालि साहितेक बिकासेक तेहेँ लागि रहअक आर साहित के समृद्ध करअक।

नेहरे

डा: बृन्दाबन महतो
अबकाश प्राप्त कुड़मालि प्रोफेसर
मारोय़ाड़ी कलेज, राँची

~ दुइ टूम ~

सँगअत (साहित्य) हेउएहेइक समाजेक आड़सि। समाजेँ ठिक-बेठिक, बेइस-मदअ सभे निअर घटअना घटेइक आर अहेगिलिन सँगअत माहान ठाँइ हेउएइक। चिसताहारेक मनेक भाभनाक ठिकरअनि अकअर चिसअनिँइ फइरछाइक। जेसअन हामरा दुखेँ रहले हामराक महड़ाँइ बुझाइक, तेसनेँ रिझेँ रहले उटाक चिनहाउ हामराक आँइखेँ मुहेँ फइरछाइक। ठिक असनेँ चिसताहारेक मनेक भाभना, समाज आर चारिक दसाक टासअनिटा ठिकराइक। एकटा सुघअड़ सँगअत माहान अहे भाखि-चारि आर समाजेक सभे निअर ठेहअड़ लेइकुन बनेइक।

जन गुनगिलिन कनअ हेलअउ भाखिक सँगअतेँ पाउआइक, कुड़मालि भाखिक सँगअतेउ अहे गुनगिलिन पाउआइक। कुड़मालि भाखि भाँड़ार पुरखेनि गित, केहनि, आहनाँइ भरअल पुरअल रहलअउ, एहे भाखिक हालुक सँगअत माहान छितरन (उपन्यास) पँथिक आकाल आहेइक। चिसताहार समभुनाथ बँसरिआरेक चिसअल एहे "धरअमेक डहअरेँ काँटा" छितरन पँथिटा कुड़मालि सँगअत भाँड़ारके झबराउए साहाइ करतेइक। एहे छितरन माहान कुड़मालि चारि, रिति-निति बगड़ाउए आड़े-अलअतेँ निहितअ सदअबिदअ जन ठेहअड़गिलिन कामेँ लागेहेइक अहेगिलिनेक झलअक देखाहेइक। समाजेँ बाहरि बहुत चतुर लकेँ चउछालि करि धन समटेक कसनि करेकटा हालुक पढ़अल लिखअल चेटकाल लकेँ बुझिकुन समाजके उतरनिक बाटेँ दिसा देखाउथिक ताकअर छाप एहे छितरन माहान देखाहेइक।

चिसअइआ समभुनाथ बँसरिआरेक चिसअल छितरन "धरअमेक डहअरेँ काँटा" पँथिटा कुड़मालि सँगअतके उतराउए साहाइ करतेइक, इटा हामअर बेजाँइ आसा आहि। समाजेँ सुघअड़ आर सुसरँगखल जिनगानि पुहाउए आर समाज उतरअनिक आड़गिलिन साफा करे एहे छितरन पँथिटा बेजाँइ साहाइ बनतेइक।

कुड़मालि सँगअत पढ़ताहार आर समाज सुधरअनेक कामेँ लागि रहअइआ ताखअड़के बेजाँइ दढ़अ करेक खातिर एहे "धरअमेक डहअरेँ काँटा" छितरन पँथिटा बहुते कामेँ लागतेइक, इटाँइ हामअर पततुक आहि। चिसअइआ समभुनाथ बँसरिआरेक समाज सुधरान आर भाखि भाँड़ारके झबराउएक आर पसराउएक कसनिके बेजाँइ बेजाँइ साबाइस आर हिआ खुलेसा सगुन बानछा रहलि।

अशोक कुमार माहात
सहाय़क प्राध्यापक
जनजातीय एबं क्षेत्रीय़ भाषा बिभाग, कुड़मालि,
मारोय़ाड़ी कलेज, राँची

~ सगुन चअइ ~

धरति माहानैं हड़ समाज सुघड़अनेक मुल आधार हेलेइक भाखि। जन खनले हड़राँइ चिसापढ़ा करे सिखला, अहे खनले नाउआ नाउआ आर ढेइर सिखनअइत अरजे पारला। पँथि माहान जन भाखिकर अछड़अन पछड़अन जतना ढेइर हेउएइक, अहे भाखि बजकाताहाररा अतनाइ ढेइर गिआनेक हकदार हेउअत। तेँइ सरजुइत हड़ समाज गढ़ेक खातिर हालुक सरकारेक जहअतेँ देसेक सभे भाखिँइ चिसापढ़ाक आड़ापाटा लेउआलाहेइक। ताथेइ झाड़खनड, पसचिम बँगगअ राइजेक ससागरा पाठघार आर माहा पाठघार गिलिने कुड़मालि भाखिँइ चिसापढ़ा चालु हेलाहेइक। चिसापढ़ा करेक खातिर तअ छितरअन, सँगअत, छेइब भाँउअर हेनतेन पँथिक जड़ुर दरकार आहेइक। अहे भाभनाटा मगअजेँ धरिके समभुनाथ माहतअराँइ "धरअमेक डहअरेँ काँटा" एहे छितरअन पँथिटा चिसअलाहात। एहे पँथिटा आबगा पाठघारेक पढ़ताहारराक खातिरेँ ठेग नहेइक, पँथिटा पढ़ले साइबत जिनगानिकर गिआन पाउआइक। सुथअर जिनगानि बिताउएक सरजुइत डहअर कनटा आर बेजुइत डहअर कनटा ताकअरे निखुत फअइरछअ भाभनाकर ठानअन केहनिकर ताइएँ एहे "धरअमेक डहअरेँ काँटा" पँथिटा रचालाहेइक। बेजाँइ खाँखुस आर पततुक लागेहेइक समभुनाथ माहतअक चिसअल एहे पँथिटा कुड़मालि भाखिक झबरअन पसरअनेँ बहुत साहाइ हेतेइक। कुड़मालि भाखि सिखताहारराक बेजाँइ उबगारेँ लागतेइक।

एहे छितरअन पँथि चिसाक दामि कामटा करेक खातिर समभुनाथ माहतअके हिआखुलेसा चनहाक सँग बेजाँइ बेजाँइ साबाइस। कुड़मालि पँथि चिसेक कामटा जेसअन ढेइर बअइसालु उमअइर तड़िक करे पारअत।

रामेससअर माहत (जालबानुआर)
कुड़मालि भाखि पाखुआज

~ गाड़ामु ~

ससागराँइ बहुत धँचअरेक लग आहात। एसन बहुत लग आहात जाखरा आपन सँगसार जिनगानि पुहाउएक खातिर दिन राइत खाटअत आर आपन छउआपुताके पसिपालि केसे बड़अ करबेथिन अहेटाइ सँचअत। एहे निअर जिनगानि पुहाइकुन सँगसार गढ़ला आर सुघअड़ समाज थापना करेक गाड़ामु देलथिक। रसे रसे सुघअड़ समाज गढ़ला, सुसरँगखले जिनगानि पुहाउएक खातिर समाजेँ रिति निति आर चारि गढ़ालेइक–थुलेँ एकटा डाँठअ चारि बनलेइक।

मेनेक एकदल चालाक चतुर लगेँ गतअर निहि खाटाइ निछु मगअज खाटाइकुन केसे जिनगानि पुहाउता ताकर कसनि करे लागला, समाजेँ चउछालि आर चतुरालि करि ठगेक कसनि करे लागला। अखरा आपन जालेँ सभेके बाझाउलेथिन। सभेके आपन अधिने करलेथिन। थिरेँ थिरेँ समाजेक लग जागला, आपन हक अधिकार आदाइ करेक खातिर लिआइ लागला, मुलुकेक लकेँ भिनु मुलुकेक ठिनले आपअन माँइभुँइ तअ बाँचाउला मेनेक एहे मुलुकटा धरअमेक जालेँ आरअ साँगि अझबझालेइक। एसअन बुझाहेइक जे आइझअ एहे मुलुकटा भिनु मुलुकेक अधिने आहेइके।

हालुक दिनेँ थिरेँ थिरेँ लिखापढ़ा सिखि आपअन हक सभे लकेँ जाने पारअहत। पढ़ालिखा करि लक बुइधगर हेला, चेटकाल हेला, लकेँ जाने पारला समाजेँ कन रिति-निति गिलिन मानले लकेक उबगार हेतेइन, तेसने कन रिति-निति गिलिन मानले समाजेक लकेक आबगार हेतेइन। समाजेँ चलअतक कन चारि गिलिनेक दरकार आहेइक, कन रिति-निर्तिँइ लकेक धन, दउलत चुसेहेथिन। कम खाटालिँइ केसे करि सुखेँ जिनगानि बिताउए हेतेइक अहे बेहुँटा सभे लकेँ सिखे लागला, एहे लेखेन सभेकाइ चेटकाल हेला। समाज चेटकालेक कथागिलिन आगु जाखरा निहि बुझे पारेहेला, आइझ उगिलिन बहुत लकेँ बुझे पारअहत। अहे खातिर समाजेँ बहुत माइनगर, बुइधगर लकेक जनअम हेलेइन।

तेँइ आइझ दरकार हेउएहेइक एहे समाजेक चलअतक चारिक खुँटिनाटि खदिनदि करेक। समाजके चेटकाल करेक कथागिलिन आइझ समाजेँ सभेले दामि कहि बुझाहेइक।

आपअन बुढ़ापुरखाराक बेनाउअल चारिक खदिनदि करि - बिगगान आर जुकति देइ बुझि, हालेँ जुआन उमअइरेक लगेक ठानअनि आर समाज चेटकाल करेक नितिक कथागिलिन साँचा हेइ समाज जागि उठतेइक, आस जागेहेइक जुआन उमअइरेक लहुँइ धरअमेक डहअरेँ काँटा गिलिनके फेड़ले उपड़ाइ समाज आर चारिके सुथर आर सुघड़ करबेथिके।

धरअमेक डहअरेँ जन जन काँटाँइ समाज, चारि आर एहे मुलुकेक बसकअइतारा लहुलाहान हेउअहत अहे काँटागिलिन उरिआइ साफा करे आझुक जुआन गुठके किना करे हेतेइक एहे लेखेन घटना लेइके एहे "धरअमेक डहअरेँ काँटा" छितरन (उपन्यास) पँथिटा चिसालेइक।

एहे पँथिटा पढ़िके पढ़ुआ-पढ़ुअनिराक मनेँ समाज सुथअर आर सुघअड़ करेक भाबना जागले हामअर खाटालि आर कसनिटा पसाति।

चिसअइआ

समभुनाथ माहातअ

खेप -1

केँदडि गाँउ नउआ बसकअइत। बाँसागड़ाक बसकअइता गँहजु अखराक बँसरिआर गुसटिक दमे बाइड़ तेँइ उहाँक सतिआक धासना धाइरेँ जेसअन बाँसझुँड़ ठेसअउआ हेलाहेइक तेसनेँ रेकमे रेकमे टाँइड़टाके झुँड़ेँ खिआउबे करेहेइक। दसअर बाटेँ सतिआ, हुँदे तअ बाँस सिँकड़ालअउ फड़ निहि लेइक, करिलअ निहि हेउअत, काहे नअ भादअर आसिनेक झइड़ेँ सतिआटाँइ एकटा नदिक लेखेन बहि बहेइक। बहिक बानेँ धासना खलसाउएइक। मटकथा हुँदेँ बाँस फड़ाइकुन बाढ़ेक आसरा नेखेइक। बँसरिआर गुसटिक रित आहेइन अखरा बाँस निहि काटथिन। बाँसागड़ाँइ साँगि बँसरिआर गुसटिकेरे लगेक बसकअइत, तेँइ रसे रसे अखरा सकताइ लागला, घार ढिँढ़ा कम हेउए लागलेइन, बाड़ि भेइआदि बाखराँइ कमि कमि साँकटाइ लागलेइन। तेसने खेतगिलिन खेजा हेउए लागलेइन, दिन बिता दाइ हेउए लागलेइन। तेँइ गँहजु बँसरिआर आपअन माँइभुँइ बाँसागड़ा छाड़ि भाइ भेइआद छाड़ि जुआन उमअइर बितलेइक अहे खनेँ बहु-छउआ लेइके उजालाक - नउआ डेरा ढुँढ़े बाहरालाक। बाँसागड़ा छाड़ेक दिन गँहजु भिनसारेइ बाहरालाक मेनेक गटादिन अकअर मन बाँसागड़ाक खेतगठ, बाड़ि, घार, सतिआ सभे आँइखेँ भासे लागलेइक। काहुँ तअ आर गँहजुक खातिर घार केहु बेनाइ देइ राखले नेखथिक जे अखरा जाइकुन रहता- बसकअइत करलेइ तअ आर हेतेइक निहि – चास आबाद करेक लेखेन टाँइड़, खेत दरकार आहेइक – आरअ चास करेक खातिर सभेले जनटा साँगि दरकार उटा हेलेइक पानि। पानि निहि हेले जेसअन चास-बास हेउएइक निहि तेसने पानि निहि पाउले कनअ जिउए बाँचेइक निहि, तेँइ सतिआ, निहितअ जुड़िआ हेलअउ दरकार आहेइक। बुलेइत बुलेइत आउला एकटा छेपअ डुँगरिक पास। छेपअ डुँगरि हेले हेतेइक

किना, एहे डुँगरिँइ आहेइक बाघेक सुँइध, जिँअत कुदरा चाटानेक फाट - ढेंकि साँपेक डेरा - इजतिआ राइतेँ नअ किना आहार करे बाहराइ - एसने तअ चाटानेक फाटटा बुझाइक निहि, तबे आहार करे साँपटा बाहराइ हेले चाटानेक फाटटा बुझाइक। तबे उहाँ केहु जात निहि। सारअइडिहेक गुँठु बुढ़ाँइ बहुत धाँउ एहे ढेंकि साँपटाक लेइके एसने कतेक केहनि कहेतेलाक जन केहनिगिलिन सारअइडिहेक मरखुँइ अकर नाति-नातिनराके कुलहि-डाँड़िँइ कहि सुनाउएतेलेइन। एहे डुँगरिटाक पासेँ सँथअल टाँइड़ - केँद गाछ आर केँद झुंड़ेँ भरि आहेइक - रुगड़ि पाखना आउला भुँइ। डुँगरिक सगड़ाट छेर धारिँइ आइकुन गँहजुँइ बेटि दुलारि आर बेटा फुचुके महुल गाछेक फेड़ेँ तिरिआ चेपिक सँग बइसाइ राखि एकाइ छेपअ डुँगरिक माथानि उठलाक। पुरुब बाटेँ हुलकलाक हेले एकटा जुड़िआ थानाइ पाउलाक, पछिम बाटेँ हुलकअलाक हेले डुँगरिक घेँसेइ एकटा जुड़िआ कालकालाइ बहेइते थानाउलाक - मने ठानलाक एहे डुँगरिक आसपासेँ डेरा गाड़ले छउआ-पुताक पेटेक टान कबअउ हेतेइक निहि। जेसअन ठानअनि तेसने काम- डुँगरिक छेर धरिकुन नाभलाक आपन तिरिआ आर बेटा-बेटिक पास।

केँदझुंड़ काटिकुन रहेक डेरा बाँधलाक मेनेक डर आहेइक इहाँ बनुआ जनुआरेक। तेँइ सतअरे रहा दरकार आहेइक- कहि रातिँइ एकटा कान ठाढ़अ राखिके सुतेइ। दिन बिते लागलेइक, गँहजुँइ छअ मास बादेइ आरअ एकटा सँगि पाउलेइक, अखरा हेमड़अआर गुसटिक लक हेकअत नाम हेकेइक भगता - अकर तिरिआ सँजअति बेटा धरअम आर करअमके लेइकुन पुरुब बाटेक जुड़िआक धारिँइ सिमअइर तरेइ आइकुन डेरा लेलाहात। गँहजुँइ एहे बानारटा पाउलाक उखनेँ भगता हेमड़अआरेक सँग भेँट करे सँपड़अलाक। भगताक सँग गँहजु एकेठिन बसिकुन गालमारला हालचाल पुँछा-पुँछि हेला। गँहजु आगु

आउलाहे एहे मुलुक, तेँइ अके भगताँइ बहुत काथा पुँछे लागलेइक। कनठिन रहले बेइस हेतेइक?- इहाँ केथिक डर आहेइक? हेनतेन। सिमअइर गाछेक पासेक टाँइड़टाँइ डेरा गाड़लाक भगता छउआपुता समटिकुन।

हिंदेले हुँदेले सतिआँइ बइरसाक पानि बहि आइकुन सामहाइ टाँइड़गिलिनेँ दहअड़ हेलाहेइक। केँदडिहेक बसकअइता गँहजु बँसरिआरेँ आर सिमअइर टाँइड़ेक बसकअइता भगता हेमड़अआरेँ बइरसाक बहि छेँकि छेँकि, घुँसाइ घुँसाइ खेत बेनाइकुन चास करे लागला। पेटेक भुख खेदेक ताड़अनिँइ दिन-राइत एक करिकुन बाड़िँइ आबाद अरजे लागला आर खेतेँ धान रपि चास करे लागला। एसने करि दिन बिते लागलेइक। धान रपअल बादेँ जेसेइ भादअर मास गिरलेइक असने आसपासेक गाँउएक आखड़ाँइ जाउआ गितेक आसअर हेउए लागलेइक। बहुत गाँउएँ ढल नागड़ाक तालेँ भादरिआ गितेक रेग सुनाइ लागलेइक। गँहजुक मनेक रिझ मनेइ रहे लागलेइक, मेनेक किना करताक केँदडिहेक बसकअइता अँइएँ नाउआ आर अँइ करअम परअबेक नेगिजगि जानेइ निहि, डाइर गाड़ेक निअम निहि जानेइ। खेतबाटेँ बुले गेले आसपासेक गाँउएक बेटिछउआक गित काने आइकुन बजड़ेइक हेले अकअर फिकिर आरअ बाढ़ेइक। मन ठिक निहि रहलअउ चासबासेक काम ढिलाउले तअ हेतेइक निहि। बेटाके चासेक कामे हिँसकाउए हेतेइक - तेँइ बुना खेतेक गाछि ताड़ेक खातिर खेत जाइएक कथाटा फुचुके कहतेइक सँचिकुन घनेक कुलहि बाटेँ घनेक बाड़ि बाटेँ जाइकुन हाँकाउएइक आर मेहनाइ - "एहे फुचुके लेइके पारअम निहि, कखन जे काँहाँ जाइ, खाइ-धइके निछु इड़कि बुलेइस। चासेक काम सिखेँ निहितअ खाबे बाछा।"

फुचुँइ तअ राउ देलेइक निहि तबे कुलहिले एक लकेक राउ पाउलाक, कहेइस "काके डाकेहेसिक रे गँहजु?" कुलहिबाटेँ हुलकि देखेहेइक नअ गुँठुकाका हेके सारअइडिहेक। गुँठु काकाके देखिके गँहजुंइ मने बल पाउलाक, एहे पाइड़ मने हेलेइक करम परअबेक डाइर गाड़ाक फिकिर लेइके सँचेहेलाक, अहेटा सलटअतेइक। रिझेँ कहलेइक तँइ पँहचअले मर कामे उसास हेलि, नेहितअ मँइ बेड़े फेरे गिरअरहँ।" एसअन काथा सुनि गुँठुबुढ़ा चकालाक आर फेरेक ठेहअड़ किना हेकेइक उटा पुँछलेइक। गँहजुंइ गुँठुबुढ़ाके हाँथेँ धरिके आनगा सामहाउलेइक आर आपअन फेरेक काथाटा कहे लागलाक। केँदझुँड़ काटि बसकअइत करलाहे आर अहे लसिँदेँ एहे बसकअइत ढिँढ़ाक नाम हेलाहेइक केँदडिह। बाँसाटाँइड़ेँ बसकअइत करि तिरिस बछअर बिताउलाहे हेलअउ जे अँइ परअब तिहार, पुजा-पासाक नेग, रिति-नितिक बाटेँ धेइआन देइकुन देखले नेखे तेँइ उगिलिन सिखलअउ नेखे। आपअन बाप-दादारा परअब, नेग-जग, पुजा-पासा सभे करेतेला, इ उबाटेँ घेँसाइतेलाक निहि। आपअन जाइतेक परअब-तिहार, पुजा-पासा, जनअम-बिहा-मरअनेक नेगि-जगि गिलिन जे गँहजुंइ मानेतेलाक निहि, उटा नहेइक-समाजेक सभे रित मानेतेलाक, मेनेक साइमला घारेँ दसअर कामे माताइ रहेतेलाक, तेँइ सिखले नेखे। करअम परअब नेइजकालेइक, एहे बाँसाटाँइड़ेँ बसकअइत करअल बादेँ पहिल करअम परअब आउएहेइक आर एहे डिहेक माहतअ हेउएइस गँहजु। तेँइ अकअर मने दइसअत हेउएहेइक जे केसे डाइर गाड़ताक आर करअम परअब केसअन करि मानाउता, पुँछलेइक हेले गुँठुबुढ़ाँइ करअम परअब लेइकुन सँचेलाइ माना करलेइक। परअबेक नेग-जग बुझाउए लागलेइक। कहलेइक "एहेटाक खातिर किना सँचेहिस एकटा करअम गाछेक डाइर आनि कुलहिक माझेँ गाड़ि देबसिक - आर छउआरा जाउआ डाला आनि राखता, करअम डाइरटाके पुजबे आर बेटिछउआ

गिलिन नाचता, एहेटाइ नअ। हैँ गअ कहैँ नअ तर इहाँक बेटिछउआँइ जाउआ बुनअलाहात नअ?" फुचु हिँदे हुँदे घुरि कखअन जे आइकुन अलताइके बापेक आर गुँठबुढ़ाक गालमारा अनाउएहेलाक उटा एखरा केहु निहि जानरहअत। आचकाइ पास आइकुन टकलेइक, "हैँ बुढ़ा इ डाइर गाड़ा-गाड़ि काहे। आर जाउआ काहे बुनअत, आर काहे एतेक नेगि-जगि, मँइ कहअहँ इगिलिन फाँकेइ हरकअइतेक सुधा हेकेइक। आगु लकैँ कनअ काम निहि पाउएहेला तखअन एहेगिलिन करेहेला।"

फुचुक काथा सुनि गँहजुँइ दुँदरि उठलेइक "इ फुचुआँइ तअ अगअड़ बगअड़ छाड़ा पुँछबे निहि करताक। चुपे रहैँ। हामरा गालमारेइहअ तअ डाइर काहे नअ जाउहा काहे नअ मनतर काहे? तर तअ काम-उधाम नेखअउ, निछु घारैँ नुड़ेहिस आर हिँदैँ हुँदैँ टहलिए बुलेहिस। चासाघारेक छउआ हेकिस, चासेक काम निहि करले ढँढ़ा निहि भरतअउ, बुझले।" गँहजुक कथाटा गुँठबुढ़ाक बेइस निहि लागलेइक आर कहलेइक "सुनैँ खुड़ा नातिँइ तअ ठिके खँच करलाहे, एके कहि बुझाइ दिहिँ नअ तबे तअ एँइ बुझे पारताक। हामराक समाजैँ बहुत एसअन नेग-जग करिअ उगिलिन हामरा तअ पिढ़िक पिढ़ि करि आउएइहअ मेनेक ढँढ़नसैँ करि आउले तअ हेतेइक निहि, बुझिकुन करेक दरकार आहेइक।" गँहजुँइ तअ इटा सँचले नेखे, फुटिए कहलेइक "काका किना मँइ अके बुझाउबेँइ, मँइएँ तअ कनअ निहि जानँ। आजा-पुरखाराके देखिए त सभेकाइ करअहत, अहे देखिए मँइ करअम डाइर गाड़े खजअहँ। जानिस हेले तँइए बुझाइके कहि दिहिँ।"

गुँठबुढ़ाँइ फुचुक खँचेक जबाबैँ कहलेइक सुनैँ तबे- बहुतदिन आगुक काथा। जबे हड़ैँ चास-बास करे नेहि जानेहेला उखनेक काथा। हामराक बुढ़ा-पुरखारा सिँकार करेतेला आर हरिन, खेढ़ा, पाखुड़ मराइकुन काँचा मास

खाइतेला। सिँकार करेतेला बेटाछउआ बलगर लकेँ आर छुटु छउआ, बेटिछउआ, बुढ़ा लक डेराँइ रहेतेला। डेरा उखनेँ रहेहेलेइक बड़अ बड़अ गाछेक ढँड़हर निहितअ पाहाड़ेक सुँइध, आर डालपालहाक छाहअल कुँबा। उखअने हड़ेक दरकार रहेहेलेइन रहेक डेरा आर ढँढ़ा भरेक खातिर खाइएक। बँगसअ बाढ़े लागलेइन, साँगि लकेक ढँढ़ा भराउए साँगि खाइएक दरकार हेउए लागलेइन। मेनेक एसने सिँकार पाखुड़, जनतु-जनुआर डरेँ अखराक डेरा ले पाराइ धुरबाटेँ जाइ लागला। सिँकार मिले लागलेइन निहि। धुर धुर जाइके सिँकार करे लागला, दुइ तिन दिन बादेँ सिँकार करि घुरेहेला। डेराक छउआ, बुढ़ा, मेहरारु भुखेँ हेउए लागला, भुखेक ताड़अनिँइ गाछेक फर गमलेथिन आर खाइ देखलेथिन हेले भुख मिटलेइन। परकिति माहान गाछेक फर, फुर आर बिहलि दाना खाइ सिखला।

एक मनेँ फुचुँइ आर अकअर बापेँ गुँठुबुढ़ाक काथागिलिन सुनेहेला, गँहजुँइ तअ कनअ कहलेइक निहि तबे फुचुँइ टकलेइक “आजा, तँइ हिँदेँ हुँदेँ कथाटाके लेगेहेसिक, जाउआ काहे उठाउअत इ कथाटा कहेँ नअ।” गुँठुबुढ़ाँइ कहलेइक “अहेटाइ तअ कहअहँ रे नाति, तँइ सुनबे तबे नअ।” आरअ कहे लागलाक - पाकअल फर तड़ि ढँढ़ा भाथाउएक बेहुँ ढुँढ़ि पाउला, तेँइ अखरा पाकअल पाकअल फर ढेइर तड़ि आनलेथिन, उबरअल फरगिलिन घुरिदिन खाबेइन कहि बालिँइ तपि राखलेथिन। मेनेक बड़अरा सिँकार करि घुरि आउला हेले मास खाइ फरेक कथा बिसरि गेला। बालिँइ तपअल फर तपअले रहला। पाकअल फर बालिँइ तपाइ रहला हेले किछुदिन बादेँ अहे फरगिलिन पँगाला आर बालि उदलाइकुन फड़ बाहराइ लागलेइक। हड़ सभे जिउएक ले बुइधगर हेउआक दरुनेँ एहे फड़गिलिन गमला आर सभेकाइ बुझे पारला जे गाछेक पाकअल फरेक दाना गिलिन भुँइएँ तपि राखले फड़ाहात आर बड़अ हेइके

अबिकल अहे फर आउला गाछ निअर गाछ हेउएहेइक। एहे फरेक फड़ लेउआटा डेराँइ रहअनि छटअ छउआ आर मेहरारुराइ पहिल गमला। सभेकाइ जानाजानि हेला हेले सभेकाकर मन रिझाइ उठलेइन - रिझेँ आपअन मने जेटा आउए लागलेइन कहि कहि नाचे लागला। फुचुँइ रिझाइएक कारअन जाने खजलेइक हेले गुँठु बुढ़ाँइ कहलाक - सभेकाइ बुझला जे फर खाइकुन भुख मिटेहेइक, आर असने फर आउला गाछ अखराउ बड़अ करे पारता आर भुख मिटाउए पारता। एहे कथागिलिन सुनिकुन फुचु गुँठु बुढ़ाक मुटा भालअल भालले रहलाक, मुहेँ कनअ उसरअलेइक निहि।

गँहजुँइ कहि उठलाक "एबा मँइ तअ एतेक धुरेक कथा सँचबे निहि करअरहँ।" बुढ़ाँइ कहे लागलाक-एहेटाइ हेकेइक चासबास सिरजनेकर आदि काथा। एहे मेहेरारुराँइ मरअदगिलानके चास आबाद करे सिखाउलाहेथिन। करअम परअबटाँइ जे एकटा आदिजुगेक चासबासेक उचरअनेक काथा लुकाइ आहेइक फुचुँइ जानलाक आर मने मने ठानि देखलाक जे हामराक पुरखाराक काथा एहे करअम परअबेँ लुकाइ आहेइक। गुँठुबुढ़ाके कहलेइक जे अकअर ठानअनिटा भुल रहेहेलेइक तबे डाइर गाड़ाटा हामराक दरकार हेकि कहि जानलाक। गुँठुबुढ़ा आपअन घार जाइ मुहालाक हेले गँहजुँइ हाँथेँ धरिकुन कहलेइक माड़पानि खाइएक समअइ हेलाहेइक। तातके फुचु घटिंइ पानि लेइके हाजिर - सभेकाइ एके सँगेँ कालुआ नुड़े बसला।

काथा सिराले निहि सिराइक फुचुक आर अकअर बापेक। गँहजुँइ सुधिआउलेइक, कनअ मनतर आहेइक नअ किना। गुँठु बुढ़ाँइ कहि उठलाक "धुर बाछा आरअ कहेहिस मनतर- मन तर जेटा कहिके डाइरटा पुजबे, तबे बेटिछअउआँइ गित गाहता अहेटाइ हेलेइक आसअल मनतर।" गँहजुँइ मुड़

लाड़ि निछु "बुझलँ" कथाटा कहलाक। फुचुक मने कतेक खँच आउएहेइक, मेनेक पाछे बापेँ आरअ दुँदरअताक अहे डरेँ बुढ़ाके कहलेइक - हेँ बुढ़ा एकटा काथा कहि देँ नअ-"इ परअबटा बेटिछउआकेइ काहे करे हेउएक आर कुलहिक माझेँ आखड़ाँइ काहे करअत?" इबार गँहजुँइ आर फुचुके दुँदरअलेइक निहि, अँइ बुझे पारलाक जे फुचुँइ तअ इटा बेइस खँच देलाहेइक, इटाउ तअ हामराके जाने हेति। बजकेइते बजकेइते खाइल हेलेक हेले सभेकाइ घुरि आनगाँइ बसला आर घुरिके गुँठुबुढ़ाँइ कहे लागलाक - इ परअबटाँइ बिहिन रपि केसे करि बड़अ हेतेइक ताकअर सिखनअइतटा जेसअन पाउआहेइक, तेसने एकटि बेटिछउआ बड़अ हेइकुन माँइ हेले केसे करि अकअर छउआके पालि पसि बड़अ करे पारतेइक, ताकअर सिखनअइतटाउ पाउअत। डाइर पुजेक आगु सातदिनले, माने जाउआ बुनेक दिनले किछु किछु निअम बेटिछउआके पाले हेउएइक जेसअन हाबु देइ नाहा माना, नजगअल डाइर टुँगा माना, दहि, गुड़िआ खाउआ माना, खाइटेँ निदा माना, पड़ाउअल जिनिस खाउआ माना, साग खाउआ माना एसने बहुत नेग पाले हेउएइन। आर डाइर तरेँ सिखे हेउएइन खिरा बेटाके आपअन बेटा मानिके खिरा पातेक काँथाँइ घलटाइ जतअने गुँड़ि, हरअइद, तेल, काजअर, माखाउएक कामगिलिन। माने बेटिछउआके छउआ जतअन करेकटा एहे परअबेइ सिखअत। आर एहे सिखनअइतटा निछु एकटि बेटिछउआक सिखेक नहेइक, एहे जाउआ करेक सिखटा समाजेक सभे लगेक सिखेक दरकार आहेइक, तेँइ डाइर गाड़िके परअब करेकटा आनगाँइ निहि, कुलहिँइ आखड़ा बाँधि करेक हेकेइक, काहे नअ समाजेक सभे लगेक हितेक कामे लागतेइक। सभेकाइ जानता सिखता तबे तअ सुघड़ समाज गढ़ातेइक। तेँइ इ परअबटा हेकेइक करअम सिखेक परअब। बेरा लिहचिहालि हेले गुँठुबुढ़ाँइ घार जाइएक चाँइड़ आहि कहि बाहराइ खजलाक उखनेँ फुचु अकअर सँगेँ बाहरालाक। काथागिलिन सुनिके

फुचुक दिसा घुरलेइक आर कहलेइक - "आजाबुढ़ा, तँइ तअ बहुत किछु जानिस, भिनुदिन तर सँगें बसि आरअ बहुत किछु मके जाने हेति, हामराक परअब तिहारेक खुँटिनाटि।"

~~~~~~~~~~~~~~~~~~
~~~~~~~~~~~~~~~~~~

खेप - 2

रामधन नामजाइजका डाकाइत। पासेँ फुटिके तअ अके कहअइआ लग एहे मुलुकेँ नेखअत मेनतुक डाकाइत नेतेँ आसपासेक सभे गाँउएक लकेक मुहेँ अकअर नाम सुनि पाउआइक, एसअन किना धुराँइ खेलि बुलअत अखराउ एहे रामधन डाकाइतके डराथिक। सभे जानलअउ अके कनअ कहथिक निहि, काहे नअ पाछे कहअइआक कनअ खति करताक नअ किना। एखराक डाकाति रमरमिआ चलेहेलेइन उखनेँ अखराक बहुत काथा जानाजानि हेरअहेइन असने एकटा काथा साँगि लगेँ इठिन उठिन मेहनात उटा हेलेइकः-

एसअन समअइ रहेहेलेइक जखन चासिरा खेत-जमि चास करलअउ अहे जमिक मालिक महाराजा रहेहेला। राजाँइ आपअन मनखुसि लगके राजा बनाउएतेलेइन छुटु छुटु मउजाक। तेसने काँसाइ पारेक जगतपाल महाराजेक आउताने गिरेइक पलासघुटु आर खिजुरबेड़ा मउजा। एहे दिअ मउजाक दाइभार पाउलाक अहे खनेँ जहरलाल आइकुन पलासघुटु मउजाक सारअइडिहेँ बसकअइत करलाक। एहे दिअ मउजाक राजा जहरलाल राज ठाठबाटेँ बसकअइत करलाक तिरिआ हिरामति, साधेक बेटा धिरालाल आर बेटि सिमअति के लेइ। उखने एखराक बेजाँइ डाँट, काहे नअ अखराइ हेला सभे जमिक मालिक। चासारा तअ चास करता मेनेक बछरि कर लागतेइक राजाके आर अहे करटाकले आपअन खेजा काटि राखिकुन बाड़तिटा महाराज जगअतपालेक भाँड़ारेँ भेजेइ। महाराज बछअरे एकधाँउ आउएइ आपअन आउतानेक मउजा देखभाल करे आर परजाराक जुइत बेजुइत भालअ मदअ बानार लेउएलाइ।

राजा जहरलाल तअ पहिल पहिल एहे दिअ मउजाक बसकअइताराक सँग बहुत बेइस चलअन करेहेलाक। राजाक आउतानेक चासारा मने आस बाँधला, ठानला एबेइर दुखेँ, आपद-बिपदेँ राजाक ठिन साहाइ पाउता कहि। बछअर दिन घुरेइते घुरेइते राजाक आसअल चेहराटा सभेकाइ जानला। डरेँ अखराक थलकुल नाहु। बुढ़ा-पुरखाराक काथाटा साँचा हेउए लागलेइक "आइगेँ मानेइक नि अदा आर राजाउ किना हेउएइ दादा"। रामधन डाकाइतेक सँग जे जहरलाल राजाक मेल हेलाहेइन आर राजाँइ जे रामधनके अकअर महअलेक चर-कठाँइ डेरा देलाहेइक एहे मुलुकेक सभेकाइ बुझे पारलाहात। रामधनेक डाकातिक कथा सभेकाइ आगुलेइ जानअत अहे खातिर डरटा आरअ साँगि हेलाहेइन। तबे जबेले रामधन डाकाइतेक सँग राजा जहअरलालेक मेल हेलाहेइक तबेले एहे दिअ मउजाँइ चरि कम हेउएहेइक। फुसुर गुजुर लकेँ करे लागअहत, डाकाइत जेठिन रहेइ अहे गाँउएक पासेक मउजाँइ चरि कम हेउएइक। सभेकिछु जानलअउ लकेँ फुटिकुन कनअ कहअत निहि, काहे नअ जहरलाल हेउएइस महाराज जगतपालेक लक। जहरलालेक बदचलअनेक लालिस जानाउबेथिक तअ काके जानाउबेथिक। महाराजेक पास जाइएक बुता तअ चासाराक नेखेइन। तेँइ परजारा डरेँ सहमिए रहेहेला।

~~~~~~~~~~~
~~~~~~~~~~~

खेप - 3

झेइलदा हाटेक दिन भेलाइडिहेक रुँइटुँइ एकटा पाँठा छागअइर बेचे हाट आउरहे मेनक हाटेँ गटादिन रहलअउ अकर छागअइरटा बेचालेइक निहि। अकअर मुड़ेँ हाँथ, काहे नअ अकर घारेँ बेड़े अभाब, छउआपुताक पेट चला दाइ हेरअहेइक। एहे छागअइरटा बेचले किछुदिनेक खाइएक जगाड़ करे पारेतेलाक। आर अहे समइटाँइ कनअ काम करि, निहितअ कनअ बड़अ घारेँ मुनिस खाटिके हेलअउ सँगसारेक खरचा जगाड़ करेतेलाक, अहेटा मने मने सँचअरहे। सँगसारेक अभाबेक ताड़अनिँइ अँइ बिसरि गेरअहे जे अकअर घार बहुत धुरेँ। आसाँइ आसाँइ बेरा डुबुडुबु हेलेइक, अहेखनेँ अँइ छागअइर बेचाइएक आसा छाड़ि देइके घारबाटेँ डहरअलाक। हाट ले बाहराइके दुइटा गाँउ पाउआइक ताकअर बादेँ साँकटअ डहअर, झुँड़ गाजाड़ आउला डहअरेँ एकाइ आउए लागलाक रुँइटु। उखने एहे लेखेन डहअरेँ एँधरिआ राइतेँ जनुआरेक जेसअन डर तेसने चर डाकुँइ दिनेइ लुटे तेलथिन आर इटा तअ हेकेइक राइत। रुँइटु मने साँहाँस लेइ आगुआइ लागलाक कराँइ पाँठा छागअइर आर हाँथेँ एकटि बाँसेक ठेँगा लेइके। छटअ सतिआ पाइरालाक, एकअर बादे आर एकटा सतिआ पाइरालेइ एकटा गाँउ पाउआतेइक ताकअर बादेइ पाउताक आपअन गाँउ भेलाइडिहि। मेनेक जेसेइ छटअ सतिआ पाइरालाक- दुइटा लकेँ पेछुबाटेले हाँकाउलेथिक “काँहाँ जाबे हउ?” कहिके। रुँइटु निडर हेइके कहलाक “एहे तअ भेलाइडिह”। थिरेँ थिरेँ अकअर पास हेला आर छागअइरटा हिँचिड़ि लेलथिक आर गुइल करले काटि मराइ देबअउ कहिके डराउलेथिक आर घुरिके झेइलदाबाटेइ डहरला। रुँइटुक तअ हेलेइक फेर। अकअर हाँथे बाँसेक ठेँगा मेनेक लुटअइआराक हाँथेँ आहेइन टाँगि फारसा। ताउ आसा छाड़लाक निहि रुँइटु डाकुराक पेछुँइ पेछुँइ जाइ

लागलाक आर कहेहेइन "नेहअर करेइहन मके छागअइरटा घुराइ दें निहितअ छउआपुता भुखें मरता"। डाकुरा अके पेछुँइ पेछुँइ जाइ माना करे लागलेथिक ताउ रुँइटुँइ पेछु छाड़ेहेइन निहि। डराइ धमकाइ डाकुरा अके पेछु छाड़ा करे पारलेथिक निहि। टुइएक बादे बादे रुँइटुँइ "दें नअ हउ- दें नअ हउ" कहिकेइ जाइ लागलाक। दिकाइके एकटा डाकुँइ फारसाँइ सझअ एके चटें घेंचाटा चटाइके हिंटाइ देलेइक आर छागअइरटा लेइके चलि गेला। घुरिदिन बिहाने बुढ़ाक गतअर आर मुड़ि छिनगाइ गिरअल पाउआलेइक। गटा मुलुक एहे बानारटा छपछपालेइक। लकेँ तअ अहे रामधन डाकाइतेकरे काम हेकेइक एसने मेहनाइ लागला, मेनेक फुटिके कनअ निहि कहला। डाकाइतेक डर सभेकर मने गुँथाइ रहलेइक।

एसने नामजाइजका डाकाइत आपअन मउजाँइ रहले तअ अहे मउजाक बसकअइताराक डरेक सिमा नेखेइक। निहि कनअ कहे पारअत आर निहि अकअर लालिस लेइके महाराजेक ठिन जाइ पारअत। पलासघुटु आर खिजुरबेड़ा मउजा छाड़ि दसअर मउजाँइ चरि, डाकाति, लुइटेक बानार साँगि आउए लागलेइक। हाटुआहा, कुटुमघार बेढ़ाउअइआ लकके फाँका डहअरेँ पाउले अकअर सँगेक सामान लेइके घार घुरि आउआ दाइ हेउए लागलेइन।

अझअइरदा पाहाड़ेक दुआइरसिनिअ एसअन एकटा ठानित जेटा बन-पाहाड़ डेगि उपार जाइएक माझेँ गिरेइक। इठिन तअ दिनेइ लुटि लेउएहेलथिन, बेरा डुबले तअ उठिनटा पाइराइके कनअ गाँउ जाउआ आउसान नहेइक। बाँकु सरदार झेइलदा हाटेक दिन अहे दुआइरसिनि पाइराइके घार आउएइ। बाँकु माहातअक घार गउराबाजारेक पासेक गाँउ बरुआडिहेँ। गउराबाजार नामटा सुनले लकेँ बुझता - उहाँ केजान हाट-बाजार लागेइक, तबे असअन नहेइक। गउराबाजार हेकेइक नामेक बाजार। गउरा जुड़िआक जन

ठानितटाके कहथिक उठिन एकटाउ घार नेखेइक। तबे गउरा जुड़िआँइ साँगि बान आउले धासना धारिँइ पड़ाउअल भाँगअल खापरा, चुलहा, बाहनि, माटिक हाँड़ि बाहराइक। उठिन घार रहेहेलेइक उटाक लसिँद पाउआइक, तबे कबे जे बाजार रहेहेलेइक उटा बुढ़ाठेढ़ा केउए कहे पारअत निहि। बाजार तअ नेखेइक तबे नामटा जिआइ आहेइक। अहे गउराबाजारेक केहनिटा गुँठुबुढ़ाँइ गितेँ गितेँ कहेइ। गुँठु बुढ़ाँइ माहाराइ गित गाहेक खनेँ गउराबाजारेक कथा जेसअन कहेइ, तेसने कहेइ महिचाँदेक बेटि चनदाकर धरअम पुजाक कथा। अहे केहनिक नेतेँ चनदाँइ धरअम पुजाँइ माड़ ढारअरहि पलास गाछेँ हाँड़ि अँगठाइ, अहेदिनले पलास गाछ लेदा हेलाहेइक आर एतना माड़ ढाररहेइक जे उटाँइ एकटा जुड़िआ बनअरहेइक, अहेटाइ हेलेइक माड़ढारा जुड़िआ। एहे माड़ढारा जुड़िआटाके हेँटबाटेँ गउरा जुड़िआ कहअत आर एकअर पुरुबबाटेक अलहानटाके कहथिक गउरा बाजार। गउराबाजारेक कनअ चिनहा एखअन आर देखाइक निहि। मरिच किने हेलअउ बाँकु सरदार सातदिनेँ एकदिन झेइलदा जाबे करेतेलाक। अकअर हिँसका हेरअहेइक हाटबारेँ जाइएक। बाँकु सरदार नामटा सुनले लके सँचता जे, उ कुड़मि नहलाक, मेनेक अके गाँउएक लकेँ सरदार बाना देरअहेथिक। एहे बँसरिआर गुसटिक बाँकु सभेखन एकटा माथाचापड़ि बाँसेक ठेँगा राखेतेलाक, अँइ जेसअन झाइल रहेहेलाक तेसने पाकठअ गतअर, गातेक रँग तेल साँउरा नाकटा झाँकले झाँकअल। मुड़ेँ एकटा धतिक पगड़ि बाँधले रहेतेलेइक। अकअर घार पासेक लकेँ कहेहेला अँइ अहे पगड़िटाँइ रुपाक गेँड़िटाका गँजि राखेहेलाक। घारेँ तअ अकअर अभाब नेखलेइक, धने घार भरिए रहेहेलेइक। "आँटकुड़ाक धन काठकुँड़" निअर धन रहेहेलेइक सरदारेक। अकअर बेटि रहलअउ बेटा नेखलेथिक। अकअर बेटा एकटा हेरअहेइक तबे सलअ सतरअ बछअर जुआइन उमअइरेँ मरअरहेइक। दिअ सँइआ तिरिआ छाड़िके घारेँ केहु नेखलेथिक, एकाइ रहेहेलाक बनिलाल। सरदारेक भाइएक बेटा डाँठु, अकर तिन बेटि आर दुइ बेटा, मेनेक अहे नाति-नातनि गिलिनअ अकअर घार सामहाइ पारेतेला निहि, काहे नअ घार सामहाइतके दुआइरेँ रिठाइल बाँसेक ठेँगा लेइके अँइ दुआइरेँ सभेखन

बसिए रहेतेलाक। काहुँ गेले सरदारिन रहेतेलि डेहरिँइ बसि। अखरा केसअन सँचेतेला केहु घार सामहाले केजान अकअर घारेक टाकाकड़ि चराइ लेबथिन। बड़अ नातिन जुड़ानि निछु अकअर घार सामहाइतेलि। अँइ सरदारेक भाँड़ार घार सामहालअउ कनअ कहेतेलेइक निहि। जुड़ानिँइ हाँड़िक भात बाँटि खाइतेलि, एतना आपअन रहेहेलेइन सरदार सरदारिनेक। मेनतुक छटअ नाति फुचन अकअर घारेक आसपासेँ निहि भिड़ेतेलाक, अकअर बेजाँइ डर, काहे नअ कनअ छउआके अकअर डेहरिक आसपासे देखलेइ सरदारेँ अकअर रिठाइल ठेँगाटिके जसाइकुन कहेतेलेइन - "आउआ सालारा, एके ठेँगाँइ टेँगगिलिन भाँगि देबअहन"। चर डाकाइतके सरदारेँ कबअउ अँइ निहि डराइतेलेइन। हाटबारेँ झेइलदा निहि गेले अकअर पेटेक माड़ हजअमे निहि हेउएतेलेइक। कनअदिन बेराडुबे तेलेइक तअ कनअदिन टुइएक राइत हेउएतेलेइक दुआइर सिनिक घाट पाइराइ घार आउएतेलाक, मेनेक अके कबअउ लुटअइआरा टेकेतेलथिक निहि। लुटअइआरा अकअर गतअर देखिए केजान डराइकुन एकअर पास समसेतेला निहि।

बिघा दसेक खेतेँ धान रपेतेलाक, बागाल बनिलालेक भससाँइ चास। अघअन मासे सभे धान आनिके खेरअइएँ चेकिआइ राखेतेलाक। उखनेँ राइतेँ खेरअइएँ सुता बहुत साँहाँसेक काम हेकलेइक। डरपुलका लक तअ खेरअइएँ सुते नि जाइहेला, उ सुम हेकलाक कहि उखनेँ खेरअइए सुतेहेलाक। सरदारेक खेरअइ घारले फाराकेँ रहेहेलेइक, धानखेतेक धाइरेँ। उखनेँ धान चरि हेउएतेलेइक। लकेँ कहेतेला आढ़ाइना भुतेँ धान उभि सिराउएतेला। तेँइ बाँकु सरदार खेरअइएँ धान रहले घारेँ सुतेहेलाक निहि। एसने एकधाँउ पुसमासेक कनकनि जाड़ेँ खेरअइएँ धान ढाढ़ाउरहे आर राइतेँ कुँबा करि सुतअरहे सरदार एकाइ। गटाराइत भुतेक साड़ा निहि पाउलेउ भिनसराक आगुटाँइ सरदारेक आचका घुम भाँगलेइक। केसअन मने हेलेइक ढाढ़ाउअल धानडिँगेँ काकअर काड़ा आइकुन ठेसि गेलाहे आर दमाट धान खाइसाहे। बाँकुक तअ मने मने दमेँ राग लागलेइक, थिरेँ थिरेँ कुँबाटाले हाँथ बाहराइके आँधारे टमड़े लागलाक हेले

हाँथे काड़ाटाके छुइ पाउलेइक एसअन बुझलाक। हँसति देखलाक इटा तअ काड़ाक गात नहेइक, दमे खड़खस आर झाइल आहेइक। बुझि पाउलाक काड़ा कहि जेटाके टमड़ि पाउलाहेइक सेटा काड़ा नहे, हाँथिक सुँइड़ हेकेइक। उदिन अकअर बाँचेक रहअरहेइक कहि अहे हाँथिँइ अके कनअ निहि करलेइक, नेहितअ हाँथिँइ अके खजि निहि पाउलेइक - एसने लकेँ मेहनात। सरदारेँ जखन बुझलाक जे इटि हाँथि हेकि उखनेँ अँइ थिरेँ थिरेँ पेछुआलाक आर कुँबाक पेछुआइड़बाटेक दुइटा बिँड़ा रसे रसे घसकाइकुन बाहरालाक आर खेरअइले थिरे थिरे पारालाक। हाँथिँइ जतना मन करलेइक धान नुड़लि आर फइरछाइएक आगुइ अहे अझअइरदा पाहाड़ बाटे गेलि। केहु आर हाँथि देखि पाउलेथिक निहि, तबे खेरअइएँ पाउआलेइक हाँथिक दाँपेक चिनहा आर खँड़िआहि पेछिआँइ पेछिआ टेक हाँथिलाद।

खेप 4

राजा जहरलालेँ दुइ मउजाँइ आपअन ठाँठेँ राइज लाउएहेलाक। केहु कबअउ रामधन डाकाइतके एहे दुइ मउजाँइ देखे पाउले नेखथिक, ताउ लकेँ बुझे पारेहेला जे अँइ इहाँइ रहेइ। एक बछअर बादेँ आसपासेक मउजाँइ दुइएकटा धनि घारेँ डाकाति हेउए लागलेइक, उखनेँ लकेक ठानअनिटा पाकठअ हेलेइक जे रामधन एहे तलापाटेइ आहे। चासारा छागअइर पसेहेलथिन, इटाउ चासाराक एकटा चास हेकेइक, बड़अ करिके बेचेहेलथिन निहितअ बिहा-मराँइ भजे काटेहेलथिन। मेनेक इधाँउ डागअर छागअइर राखाउ दाइ हेउए लागलेइन, मुड़ा-मानकिँइ तअ गाँउएक सभेघारेक बानार जानेहेला काकअर घारेँ केसअन छागअइर आहथिन, ताउ अखरा राजाघारेँ बानार देउएहेलथिन निहि। सिमअइर टाँइड़ेक झगड़ु हेलाक एहे दिअ मउजाक सभे लकेकले परपँइचा। लागान-बाझान करा छाड़िके कनअ कामे निहि करेहेलाक। जेसअन नाम तेसअन अकअर काम। दिअ मउजाँइ काकअर घारेँ केसअन गरु आहथिक, केसअन छागअइर आहथिक सभे टउआ राखेहेलाक आर राजाक आढ़ान-बाढ़ानेक काम करअइआ मधा-जधाराक काने चुपेचुपे बानारटा देउएहेलेइन। तेइआर छागअइरेक टउआ पाउलेइ राजाघारले जधा आर मधा आइकुन धरि लेगेतेलथिन दामदड़ि निहि करिकेइ। कहेतेलथिन “राजाँइ एहे छागअइरटा लेगे कहअलाहे”। राजाक डरेँ केहु कनअ हामता निहि करेहेलथिन। मनेक राग मनेइ राखेहेला। किना करता बेचारिरा “गरिबेक राग पेटेइ पचेइन” मने मने सँचि सुगुम रहेहेला। एसने तअ एहे दिअ मउजाक चासाराक घारेँ गाइ धेनुआले दमे कम दाम देइकुन राजाँइ गाइटि किनिए लेउएतेलेइक, ताउ केउ राँइटुँइ निहि करेहेला।

चासाराक बेड़े पसतान, मने मने सँचेहेला छउआपुताक दुध, घिउ आर दहिक आकाल हेतेइक निहि। मेनेक अखराक पसतानि सिराले नि सिराइतेलेइन।

एहेलेखेन दुखेँ कसटेँ दिन खेदे लागला एहे पलासघुटु आर खिजुरबेड़ा मउजाक लकेँ। बछअरि एसने करि सहि सहि लकेक गातसहा हेरअहेइन। एहे लेखेँ दस बारअ साल बितलेइक। जहरलाल राजाक धन ठेलाइ बुले लागलेइक। चरिक धन मादअइरेक पइला लेखेँ रामधनेक ठिनेक दामि दामि सामान किने लागलाक। बाचिक करि सनाक गहना, रुपाक गहना रामधनेक ठिनले कम दामे किने लागलाक। रामधनेँ पाउलाक लुकाइएक डेरा आर पाउलेइन लुटअल-चराउअल दामि दामि सामानगिलिन किनेक निअर लक तेसने राजा जहरलालेँ पाउलाक आना टँकि धन। तेँइ सँगसार फुलि उठलेइक धनेँ। जहरलाल राजा आर हिरामति रानिँइ रामधनेक ठिनेक लुटअल धन केसेकरि हैँथिआउए पारता ताकअर बेँहु ढुँड़ेइते रहेतेला।

सिमअइर टाँइड़ेक झगड़ु साँढ़ाखुखड़ा किनेक नागसाँइ इगाँउ उगाँउ बुलि बुलेहेलाक। टउआँइ टउआँइ गेलाक सालगाँउएक छटअ माहातक घार। छटअ माहातअ नामजाइजका लक। धनेँ ठेस लागअल घार। आनगाँइ मराइ, चारेक कुँचड़ि बाँधि गटाबछअर घलटाउअले रहेतेलेइक। छटअ माहातअ निछु नामे छटअ, अकअर काम रहेहेलेइक बड़अ बड़अ। आसपासेक जेहिँ दुखेँ आपअदेँ गिरेतेलाक, अँइ छटअ माहातक ठिन हाँथ आड़ले घुराउएतेलेइन निहि। मराघार कहेँ, बिहाघार कहेँ सभे निअर कामे साहाइ करेतेलेइन, अहे खातिर अकर हाजार मन धानेक चासेक काम अलअटे पाइराइ जाइतेलेइक। लकेक अभाब निहि हेउएतेलेइक। टुसु पाता, करअम परअब, जितिआ परअब, सँहरअइ परअबेँ अँइ गाँउएक लकके धन देइ साहाइ करेतेलेइन, दसअर गाँउएक लक साहाइ मागेँ आउले घुराउएतेलेइन निहि। तेँइ एहे झगड़ुके एकटा साँढ़ा खुखड़ाक

खातिर केसे निहि कहतेइक। छटअ माहातअँइ झगड़ुके मान करि घार भितअर लेगि बसाइके बेसिआमे चारभिजा खाउआउलेइक तबे छाड़लेइक। झगड़ुक ताल तअ दसअर रहेहेलेइक, साँढ़ा किनाटा तअ एकटा लछना। छटअ माहातअक घार बहुत चलअतक देखलाक आर धने भरअल पुरअल घार देखलाक, घारेक मेहरारुरा सनाक गहना पिंधि आहात देखिके अकअर मने लालअसा लागलेइक। उदिन अँइ साँढ़ा किनि सुटुँगपुटुँग घार आउलाक। झगड़ुक साँढ़ा किनअल सातदिन बादेइ छुटु माहातक घार डाकाइत सामाला हाँकाडाका बेराडुबाहिँ। गाँउएक लक डाकाइतेक डरेँ घारले बाहराला निहि, छुटु माहातअक घारेक दामि दामि सामान सभे लुटि लेगला आर सँगे मेहरारुकर गहनागाठिअ। बिहाने एहे तलापाटेक बारअ मउजाक लकेँ डाकाइतिक बानारटा पाउला। इगाँउ ले उ गाँउ, एकअर कानले अकअर कान हेइ छपलअलेइक एहे डाकाइतिक बानार। जहरलाल राजा आर हिरामति रानिँइ एहे बानारटा सुनला हेले एकटा बुइध ठानला। राजाके रानि हिरामतिँइ कहलेइक "आइझ एकटा छागअइर काटाहाक आर मँइ रामधनराके रातिँइ खाइएक बाँटि देबेइन"। चासिराक घारले बिन दामेँ आनअल छागअइर, राजाक किना आँट लागतेइक। राजाक आड़हाने खासि काटालाक। कामिन, मुनिस सभेके खाउआइ घार पाठाइके कुलहिक आर बाड़िबाटेक आगुड़ लागाइ देलथिक। गाँउ साँइ-सुँइ हेलेइक खनेँ खासि छागअइरेक मास आर भात सभे चालिँइ बाहराइके रामधन आर अकअर सँगिराके रानिँइ डाका कराउलेइन। चरखाँधाले बाहराइके रामधनरा आइकुन चालिँइ बसला, सभे मिलि पनरअ लक। रानिँइ निजेँ सभेके पातअइर देलेइन आर भात बाँटि देलेइन। रानिँइ सभेके चाटुँइ करि दनाँइ दनाँइ मास देलेइन। सभेकाइ मासभात नुड़े लागला। परसन देलेइन ताकअर बादेँ रानिँइ गँठअ गँठअ एकचाटु मास लेइके गेलि रामधनेक पास आर सभेके सुनाइकुन कहलेइन "तराक गठेक सभेले साँगि दुलारेक बेटा हेके हामअर रामधन"। सभे डाकाइतके सुनाइकुन कहलेइन हेले एकटा सभाँइ जेसअन काकअउ माइन देले जेसअन अँइ फुलि जाइ, तेसने रामधनेक दसा हेलेइक। रानिँइ एतना लकेक माझेँ अके आदअरेक,

दुलारेक बेटा कहि देलेइक खनेँ अँइ फुलि गेलाक। मासभात नुड़लाक आर हाँथ धइके सझअ रानिक पास आउलाक आर अकअर खुँटेँ गेँठिआउअल सभेले दमगर सनाक हाइरटा बाहराउलाक, जनटा अके डाकाइतराक मुल कहि देरअहेथिक अहेटा रानिक गड़तरेँ राखिके गड़ लागलेइक। आर रानिके कहलेइक "रानिमाँइ तँइ मके दुलारेक बेटा कहि मानले तअ आइझ मँइ एहेटा आपअन माँइ मने सँचिकुन एहेटा देलँ"। सभेकाइ निदाइ गेला हेले रानिँइ राजाके डाकिके कहलेइक "देखलेहे केसअन केरामति करलँ"।

डाकाइतराक ठिनले केसअन बुइध लागाइ राजा आर रानिँइ मिलिके चरि डाकाइतिक सामान गिलिन लेउएहेलथिन उटा एहे केहनिटाहिँ फइरछाइक।

~~~~~~~~~
~~~~~~~~~

खेप - 5

एकदिन गुँठु बुढ़ा कँदेले बुलेइते बुलेइते आउलाक केँदडिहेक गँहजु आर सिमअइर टाँइड़ेक भगताक पास। दिअके एकठिन बइसाइके किना किना मनतननि करलाक आर तुरुते सानसानाइ घार घुरि गेलाक। उदिन गुँठुबुढ़ाक बेजाँइ चाँइड़ बुझालेइक, मुहेँ हाँसि नेखलेइक, फुचुक सँग कनअ हाँसि दिललागिक कथा निहि करलाक। एहे कइदिनँ गुँठुबुढ़ा एहे दिअ मउजाक काकअर काकअर सँग जे देखा करलाक उटाक टउआ केहु पाउला निहि। किछुदिन बादेँ एहे मउजाक लकेँ सभेकाइ गुँठबुढ़ाके साबाइस करलेथिक एहे घटअनाक बादेँ। उटा हेलेइक एहे निअर -

सातदिन आगु दिअ मउजाँइ ढल देइ ढिँढ़अरा पिटालेइक, माघ मासेक सातदिनँ काँसाइ पारेक महाराज आपअन राइज देखे एहे दिअ मउजा आउताक। राजा जहरलालेक डर लागलेइक, मेनेक काकअउ तअ उटा कहिके सुनाउए पारलेइन निहि। पाँच गाँउएक माहतअराक ठिन बानार भेजलाक-सभेके दाइभार देलेइन-महाराजके जेसअन राजमाइन देथिन। सिमअइरटाँइड़ेक भगता माहतअक भागेँ एकटा खासि छागअइर राजमाइन देउएक भाराभार गिरलेइक, केँदडिहेक गँहजुक एक हाँड़ि दहि आर एक चुका घिउ देउएक आपाभार गिरलेइक, सालगाँउएक छटअ माहातक भागेँ एक कुम गुड़ देउएक आपाभार गिरलेइक। एसने करि पलासघुटु आर खिजुरबेड़ा मउजाक सभे माहातके, जाके जेसअन भिनु भिनु आपाभार देलेइन राजा जहरलालेँ।

माघ मासेक सात दिनँ महाराज जगअतपाल हाँथिक पिठेँ आउलाक सारअइडिह जहरलाल राजाक घार। राजाँइ आगुलेइ महाराजाक रहेक डेरा बेनाइ

राखरहे आर परजाराक सँगेँ दरबार करेक खातिर जड़ सारअइ गाछेक छाहाँइ माचा बाँधि देरअहेइक। एहे माचाँइ महाराजाक बइसेक खातिर माचि देइ राखरहेइक। महाराज जगअतपाल आइकुन जड़ सारअइ गाछेक पासेँ नाभलाक आर माचिँइ बइसलाक। जगअतपाल महाराजके देखे पाउआ बहुत भाइगेक हेकेइक। तेँइ गाँउभाँगि बेटाछउआ बेटिछउआ बाहरारहअत राजाके एकधाँउ देखेक खातिर। गातेक गढ़अन धपधइपा गरा, चड़का धति आर राज पिरानेँ बहुत साजलाहेइक अके। राजा तअ राजाइ हेके, जेसअन नाम तेसअन कामअ नअ किना आहेइक अकअर। जगअतपाल राजाक राइजेक आउतानेक पलासडिह आर खिजुरबेड़ा मउजाक परजाराक एसअन हाल इटा सँचे पाराटाइ मसकिल हेउएइक। काँसाइपारेक महाराजेक नामटा एहे मउजाक लकअउ सुनअलाहात, मेनेक कनअ लकेक पततुक निहि हेउएहेलेइन। जगअतपाल महाराजा नअ किना गरिब दुखिक माँइ-बाप निअर हेके। कनअ आपअदेँ बिपअदेँ गरिब दुखिके दमे साहाइ करेतेलेइन। राज भाँड़ारले धन बाहराइके दुखि लकके साहाइ करअइआ एहे महाराजेक निअर केहु नेखअत। इटा तअ सुना कथा। सुनअल कथाँइ किना पेट भरतेइक, पलासघुटु आर खिजुरबेड़ा मउजाक परजारा मने मने ठानअत आर मेहनात, गरिब दुखिक माँइ-बाप महाराज जगअतपालेक राइज माहान हामराक तअ गतअरेक लहुइ चुसाइसाहि, ताँहि नअ किना एहे राइज माहान परजाराक सुख हेतेइन। सुख हेतेइन तअ उटा कबे?

एके एके सभे माहातअराके डाक देउए लागलेइन जहरलाल राजाक आढ़ाइना टहलुँइ। मेनेक एकअ माहातअ महाराजाक पास आउला निहि। जहरलालेक दमे राग हेलेइक आर आँइखगिलिन रागेँ रेँगिआ हेलेइक। बहुतखन एसने बितलेइक, एँइ अँइ देखा करअहत आर राजाके गड़लागिके जाहात। थिरेँ

थिरैँ भिड़ बाढ़लेइक उखनैँ राजाक पास आउला गाँउएक माहातअ, ताकअर बादैँ दसअर लक। अखरा आइकुन महाराज जगअतपालेक भइड़ैँ गिरि देलथिक आर अखराक दुखेक काथा सुनाउए लागलेथिन, गाँउएक आसपासैँ चर डाकाइतेक चरि आर लुइट करेक काथा। इबछअर सराबन भादअरैँ बइरसाक टान हेलाहेइक, अखरा जुइतसिर चास करे निहि पारलाहात, अखराक दमैँ अभाब हेलाहेइन, एहे कथागिलिन गाँउएक लकैँ कहला। आर इ बछअरेक राजकरटा आधा करेक कथा कहलेथिक। महाराजैँ अखराके आसा देइ कहलेइन "हामि तराक इहाँक राजाक सँग काथा करिके तराक कर कमाउएक काथा कहबेँइ"। राजा जहअरलालैँ महाराजाक पासैँ आइकुन गाँउएक लकेक कथाँइ पेतिआताक निहि तेसअन कथा कानैँ कानैँ फुसुर-फुसुर करिके कहलेइक। एहे काथाटा सिरालेइक उखनैँ केँदडिहेक गँहजु सिमअइरटाँइड़ेक भगता आर सालगाँउएक छटअ माहातअ एके सँगे महाराज जगअतपालेक सँग भैँट करेलाइ आउला। केँदडिहेक गँहजुँइ एकटि छटअ मटअ चुका आनिके उबड़ाइ देलेइक आर भुँइमेसा पेटदाबड़ा देइ सुति देलेइक, सिमअइरटाँइड़ेक भगताँइ एकटा हालि दुधछाड़अल ढिला आउला लेटपेइटा रगाइल पँठरु छउआ कराँइ तुलगि आनि महाराजेक आगुँइ राखिकुन डँड़ देउएक निअर सुति देलेइक, आर सालगाँउएक छटअ माहातँइ एकटि छटअमटअ चुकाँइ गुड़ आनिके राजाक आगुटाँइ राखि देलेइक - जड़हाँथ करि पेट दाबड़ा देइ सुति रहलाक। सभेकाइ पेट दाबड़ा देइ सुतअले रहला खनैँ महाराजैँ सभेके उठे कहलेइन, उठिके अखराक हालचाल निडर हेइके कहे कहलेइन। तिनअ माहातँइ उठिके महाराज जगअतपालेक आगुँइ जड़हाँथ करि एके एके निजेक निजेक दुखेक कथा कहे लागलेथिक। गँहजुँइ कहलाक "हुजुर तरा हामराक माँइबाप हेकिहा - एहे राइज माहान हामराक दुखेक सिमा नेखि - एकटि गाइ धेनुआरहि, एहे बानारटा राजाँइ सुनलाक हेले जरेइ हामअर

गाइटि लक देइके लेइ गेलेइक, हामराक छउआपुता एकठपा दुध घरेक जालाँइ लालहाइ आहात, मँइ दहि, घिउ तहराक खातिर कनअ देउए निहि पारलिअन, मर दस मिना करबेहे"। भगताँइ महाराजके कहलेइक "हुजुर गटा गाँउएँ छागअइर पसबे करथिन, मँइअ पसअरहिअन। मेनेक हामराक राजाँइ एहे मउजाँइ जतना डागअर खासि छागअइर हेउअत सभे अकअर लक देइ धरि लेले जाथिन, हामराक घारेँ एहे छागअइरटाइ रहेहेलाक, तेँइ अहेटाइ आनअलाहेँइ। कनअ दस हेले मके मिना करि देबेहे"। राजा जहरलालेक एखराक काथागिलिन सहाइ हेलेइक निहि - हिआँइ जाइकुन बिँधेहेलेइक आर अकअर बेजाँइ राग लागेहेलेइक। तेँइ आचका रागेक तेजेँ जरेँ कहि उठलाक "महाराज एखरा सभे मिछा काथा कहअहत"। महाराजेँ अके खिसिआइके कहलेइक "तँइ एखन चुपमारि रहेँ, तकअउ मका देबँ कहेलाइ, उखने तँइ कहबे"। एकअर बादेँ छटअ माहातक कहेक पालि आउलेइक उखनेँ अँइ कहलाक - "हुजुर हामराक एहे राजाक राइजेँ रहिके मागताहारेक निअर दसा हेलाहि। चर डाकाइतराके राजाँइ डेरा देइके पसेहेइन आर जेँइएँ टुइएक खाटिखुटि धन करेइस अकरे धन अहे डाकाइतराके देइके लुइट कराउएहेइन। हामराक घारले लुइट करअल धन सभे एहे राजाघार आइके आगुइ जमा हेइ आहेइक, हामराक घारेँ आर कनअ नेखि। एहे छटअ चुकाक गुड़टाइ घारे रहअरहि, अहेटाइ तहराके आनि देलिअन। हामराक घारेँ सभे सिरालाहि"।

गँहजु, भगता आर छटअ माहातअक काथा सुनिके महाराजा रागाइ उठलाक आर कहलेइन तरा राजाक लेइकुन बहुत काथा सुनाउलेहे- "एहे काथागिलिन तहराक साँचा हेकअहन ताकअर साबुद कनअ आहअन"। छटअ माहातँइ महाराजके कहलेइक - "हुजुर हामराक कथा साँचा निहि हेले हामराके

जन सासति देबेहे उटा मानि लेब। तहरा एखने एहे राजाक घारेँ घारढुँढ़ि करिके देखा"। महाराजाँइ तखने अकअर सिपाहिराके पाठाउलेइन राजाक घार घारढुँढ़ि करेलाइ। घारढुँढ़ि करअल बादेँ सिपाहिरा रामधन, जधा आर मधा सहअ पनरअटा चरके धरि महाराजाक पास आनलेथिन। आर महाराजके बानार देलथिक हुजुर "एहे जहरलालेक घारेँ पाँचटि हालि धेनुगाइ आर सातटा खासि छागअइर तेइआर तेइआर खुँटअल आहथिक"। उटा अखरा देखि आउलाहात।

काँसाइ पारेक महाराज जगअतपाल एकधाँउ रागेक तेजेँ जहरलालेक बाटेँ हुलकअलाक आर रागेक चटेँ कहलेइक - "हामअर दुइटा मउजाक देखभाल तँइ करे निहि पारले। तर राजपाइट आइझले कड़अक करलँ"।

राजा जहरलालेँ दस एकड़ बहिआड़ खेत बेनामि करि एकधेरिआ कागज करि राखअरहे अहेगिलिन चास करे लागलाक। एसने करि जहरलालेक राजपाइट गेलेइक खने अँइ लाजेँ दुखेँ आर धनेक पसतानिँइ एक बछअर तड़िक बाँचलाक आर थिरेँ थिरेँ सुखाइके मरबे करलाक। दिअ मउजाक लकेँ मेहनाइ लागला, "गरिबेक हाइ किना सहातेइक"। राजा जहअरलालेक तिरिआ हिरामति राँड़ि हेलि, आगुक निअर रानिक ठाँठ आर रहलेइक निहि। कनअ लेखेँ बेटि सिमअतिके बिहा देलेइक। मेनेक जहरलालेक बेटा धिरालालेँ एकटि बेजाइतेक बेटिछिउआके बाहराइ आनिकुन सँगसार करे लागलाक। महाराजेँ सभे डाकुराके काराबास देलेइन सलअ बछअर। सलअ बछअर महाराजाक कारागारेँ रहला रामधन, जधा, मधा आर अखराक सँगिरा।

हिँदेँ उखनले काँसाइपार मुलुकटाँइ चरि आर लुटाहिँचड़ा कमि गेलेइक। टुइएक आधेक लुटा हिँचड़ा, चरिक बानार पाउआइतेलेइक, मेनेक उगला

हेकलेइक छुटुमुटु चरि, जनगिलिन गाँउएक मुड़ा, मानकि आर माहातराइ बिचार करि सलटाउएतेला। पलासघुटु आर खिजुरबेड़ा मउजाँइअ चासाराक जिउ थलकुलेँ रहे लागलेइन।

खेप - 6

जितिआ पुजा नेइजकालेइक। सिमअइरटाँइड़ेक बसकअइता भगता माहातक घारेँ जितिआ पुजा आहेइक, तेसने केँदडिह गाँउएक गँहजुक घारेउ जितिआपुजा आहेइक। भगताक घारेँ कइ दिनले बेजाँइ साइथ करअहत। चासाक घार किना चिकअन रहेइक, इठिन कइटि पँउआर, उठिन कइटि धान, एसने करि कनअठिन चार, कनअठिन भुँसा, कनअठिन काठ-झुड़ि आर कनअठिन कुँचड़िक बड़ गिराउअल आहेइक नअ आहेइके। सइसटअबे जन जिनिसगिलिन राखअल रहतेइक ताकअर उपाइ नेखेइक। तेँइ परअबेक आगु भगताक बेटि सुँसारि आर तिरिआ सँजअति अनगुतेइ उठिके जे ठेसअलाहात आधबेसिआम तड़िक इटा उटा सँइतअबे करला, एहे तअ ठेसला लरालिपा करे। बेटिके पानि आने पाठाइके सँजअति लरालिपा करे ठेसलाहि। पानिँइ कुलाहेइक निहि, सुँसारिके दमे हाँकाउएहेइक आर झेँइखाइकुन मेहनाइस "पानि आने जाइकुन हुँदेइ बुढ़ालि, टुइएक जे कामे उसास हेति ताकअर आसा नेहि"। काथाटा पुरेइतके सुँसारि पँहचअलि, अहेखनेँ अकअर माँइएँ पुँछलेइक केसे एतेक देरि हेलेइक कहि।

सुँसारिँइ पानिक घेइला राखिकुन कहलि कुँआसालेक भिड़ेक काथा। गाँउएँ नअ किना दुइटा बाहरिआ हड़ आउलाहात कहि लक दमे मेहनाहात। माँइके कहलेइक अखरा मुड़ाकुलहिँइ डेरा लेलाहात आर घारेँ घारेँ जाइकुन चार मागि लेहथिन। धरमाँइ कुलहिबाटेले आइकुन कहलाक उगिलिन ठग हड़ हेकअत। अखरा मनगढ़ा देउआभुताक नाम गुनगुनाहात आर चासाराक अजजन भँटि भँटि खाहात। सँजअतिँइ धरअमके माना करलेइक एसअन काथा कहेलाइ, काहे नअ गाँउएँ कतेक निअर लक आहात, कने केसअन सँचता कहिके। धरअम

आरअ मेहनाइ लागलाक- "केसे निहि ठग हड़ कहबेइन, हामरा आपअन देउआभुताक पुजापासा तअ करिअ, बुढ़ा पुरखारा पिढ़िक पिढ़ि अहे देउआभुताके मानि आउएहेथिन, मेनेक एखरा आइकुन भिनु देउआभुताक कथा कहे लागअहत, अखरा कहअहत अहे देउआभुताक पुजा करले आर अखराके दान देले पुइन हेतअहन, सुखेँ रहबेहे, इटासेटा कतेक किना"। घारेँ एसने कथा चलेहेलेइक अहेखनेँ कँदेले भगता माहतअ घामाघरा आउलाक आर दिअ माँइ-बेटाक किना बजकन चलेहेइन अहेटा पुँछलेइन आर जानलाक हेले अहे बाहरि हड़गिलिन साधु लेखेन बुझाहात कहलेइन। भगताँइ कहलेइन "अखराके देखि ठग हड़ निअर बुझाहात निहि आर ठग हड़ निहि हेलेइ बेइस हेउएइक"। धरअमेक पततुक निहि हेलेइक अकअर बापेक काथाटा, मेनेक मुह फुटिके कहलाक - "ठग हड़ निहि हेलेइ बेइस हेउएइक"। गुँठु बुढ़ा कँदेले भगताक घार आउलाक, धरअमेक कथाटा सुनि पाउलाक हेले कन ठग हड़ेक कथा हेउएहेइक जानिके कहलाक "आरे उगिलिन ठग हड़े हेकअत। गित गाहि गाहि परेक अरजन लुटेलाइ आउलाहात–धरअमेक नाम करि दिनेइ लुटेहेथिन।"

गुँठु बुढ़ाक राउ पाइके भगताँइ गुँठुबुढ़ाक आउएक कारअनटा जाने खजलेइक। गुँठुबुढ़ा जे उदमाइ घुरिबुलअइआ लक हेके उटा सुनाउलेइक भगताके। आरअ कहलेइक "देखेँ भगता खुड़ा, हामअर घारेउ एहे जितिआ पुजाटा रहेहेलि। जितिआ ससटि माँइएक आसिसटा साँगि दिन टेकलि निहि। जितिआक सँजअत दिन हामअर बड़अ पुतअहुक करा आलअ करअरहे हामअर बड़अ नातिँइ, अहे बछअरले हामअर घारेँ जितिआ ससटि माँइएक पुजा आउरहि मेनेक नातिटाक उमअइर सलअ बछअर हेलेइक खनेँ अहे सँजअत दिने हामअर रेँगिआ गाइटि केसे मरलि। जितिआ पुजाक दिन एतेक बड़अ अनअसटि

हेलेइक खनेँ अहे बछअरले हामअर घारेँ आर जितिआ पुजा रहलि निहि। कथाँइ आहेइक गाइ आर माँइ धेनुआले जितिआ परअब आउएइक आर गरु निहितअ घारेक केहु मरले जितिआ पुजा रहेइक निहि। एहे पुजाटा बहुत भाइगेँ रहेइक रे भगता"।

बुढ़ाक काथा सुनिके धरअम चकालाक, काहे नअ एहे नेगटा तअ कबअउ एँइ जानेइ निहि। धरअमेँ गुँठु बुढ़ाके कहलेइक- "आजाबुढ़ा तँइ आधअड़ लक हेकिस, तँइ एहे जितिआ पुजाक लेइके बहुत किछु जानिस। एहे परअबेक खुँटिनाटि जानेक मर आसा जागेइ। आइज मके कहि देउएइ हेतअउ"।

भगताँइ सँचलाक बेटाँइ बुढ़ाके बेइस खँच देलाहेइक, एहे बतअरेँ अँइअइ परअबटाक लेइके जानताक, तँइ अँइ गुँठबुढ़ाके कहलेइक - "खुड़ा सुनअहँ नअ किना कइदिनले एहे आसपासेक गाँउएँ कइटा साधु आउलाहात, अखरा किना लेखेन गित गाहअहत आर भिनु भिनु देउआभुताक पुजापासा करेक काथा कहअहत। मेनेक हामरा आजापुरखाराक देखिके जन देउआभुताक पुजा करेहिअ, परअब तिहारेक नेगि-जगि पालि आउएहिअ उगिलिन किना पैंदलालि हेकि"?

गुँठु बुढ़ाँइ कहलाक- "बाह रे भगता तरा दिअ बाप-बेटाँइ घुराइ घुरुइ एहे जितिआ परअबेक खुँटिनाटि जानेकटाइ कहलेहे। निहि कहले किना उपाइ आहेइक, सुना तबे-" एहे कहि कहे लागलाक, "हामरा आइज छाड़ि काइल मरि जाब, नदि धारेक धासना- कखन जे धसतेइक ताकअर कनअ ठिक नेखेइक। हामराक आउति पिढ़िके पुजा-पासा, परअब तिहारेक नेगिजगि गिलिन जुइत करि बुझा दरकार आहि। करअम परअबेँ बेटि छउआँइ जेसअन जाउआ पातिकुन

एकटि बिहिन दानाले केसे करि गाछ बनेइक अहे बेहुँटा सिखला आर समाजेक सभे लकके सिखाउए, जानाउएक खातिर आखड़ाँइ आइके करअम डाइर पुजा करला, तेसने अहे आखड़ाहिँ छुटु-छुटु बेटिछउआँइ नेगि-जगिक साहाइएँ जानला बड़अ हेइके छउआ-पुताक जनअम हेले किना किना निअम पाले हेउएइक आर केसअन करि छुटु छउआके जतअन करि बड़अ करे हेउएइक, अहेटा निजे तअ सिखलाइ - सभे लकेँ जेसे जानि पाउअत अहेलाइ आखड़ाँइ नेगगिलिन करि देखाउला। परअब तिहारेँ लुकाइ आहेइक आदि कालेक एकुकटा घटअना - जनटा बिगगानेँ ढुँढ़ि बाहराउअहत अहेटा"। धरअमेँ कहलेइक-"ए बुढ़ा, इटा तअ हेलेइक करअम परअबेक काथा, हामरा जाने खजेहिअ जितिआ परअबेक कथा"।

गुँठबुढ़ाँइ कहे लागलाक- "हामराक सभे परअब तिहारेक एकुकटाक सँग दसअरटाक नाता आहेइक। करअम परअबेँ सिखला केसे करि सँगसार पाति छउआ-पुताके जतअन करबेथिन आर एकटा गाछके बिहनिले आँकराइ पहाटा केसे करि डागअर गाछ बनाउता, अहे बेहुँटा सिखला। जितिआ परअबेउ एकटा आदिकालेक आदि कथा लुकाइ आहेइक, नाउआ सिरजनेक कथा। हड़रा तअ चास-आबाद करि दाना फर, फुर अजजे सिखला। मेनेक हालुक निअर अखरा सिखले नेखला केसअन करि उगिलिन खाता। काहे नअ उखनेँ आझुक निआर आइगे पड़ाइ, राँधिके खाइ निहि सिखअरहत। जितिआ परअबेँ लुकाइ आहेइक आदि पुरखाराक बिन चिसाइल आदिकथा। पहिल केसे करि अजजल दाना, बिहलिगिलिन राँधि खाइ सिखला अहे आदि कथाटा एहे परअबटाँइ साफा थानाइ पाउआइक, टुइएक परअबटाके भेउराउलेइ जानाइक।

चासेक अजजल बुट, कुरथि, बिरहि गहम जतेक निअर बिहनि गिलिन पाकले डाँठअ हेउअत, बुढ़ारा आर छुटु छुटु छउआरा चाभे निहि पारथिन। मेनेक पानिँइ भिजअल, आँकुर हेल दानागिलिन छुटु छउआले बुढ़ा सभेकाइ चेबाइकुन खाइ पारेहेथिन। एहे भिजाइ चेबाइके खाइएक काइदाटा सिखला - परकितिक कनअ एकटा घटना देखि। पाकअल दाना, बिहनिगिलिन सुखाइके डाँठअ हेउअत आर बइरसाक पानिँइ भिजिकुन फुलअत आर आँकरात, इटा हड़रा बुझे पारअरहअत। एहे बिहनि दानागिलिनके सतिआक पानिँइ भिजाउलअउ फुलअहत आर चेबाइ खाइतके आउसान हेउएहेइक। अहे भिजाइ फुलाइके आँकराइ जितिआ पुजाँइ पातेक पुँगि करि डाइरतरेँ देथिक, एहेटाइ हेकेइक आँकुर थापा। एहे आँकुरटाइ हेकेइक जितिआ पुजाक मुल सारभार माहान एकटा।"

भगता आर अकअर बेटा धरअमेँ गुँठुबुढ़ाक कथा जतेक सुनअत ततेक चकात, धरअम छउआटा तअ हेके परकितअ गिआन ढुँढअइआ, तेँइ अहे गुँठुबुढ़ाके आरअ पुँछलेइक- "हेँ बुढ़ा इ परअबटा छउआक माँइराकरे काहे करेक नेग हेकेइन, बेटिछउआक काहे करेक नेग नहेइन"।

गुँठुबुढ़ाँइ धरअमके साबाइस जानाइके कहलेइक - "देखेँ नातिभाइ तँइ एसअन एकटा खँच देले जनटा सभे लकेक जानेक दरकार आहेइन। हामराक चारि माहान परअबगिलिन पालेक कनअ निहि कनअ एसअन कारअन आहेइक जेटाँइ जुकति पाउआइक। मानेँ कहे खजअहँ कनअ परअबेक उचरेक पेछुँइ कारअन एसअन आहेइक जे, आदिकाले हड़रा आपअन ढँढ़ा भराउए आर दसअर जनुआरले बाँचेक कसनि करेक खातिर बहुत नउआ नउआ कामेक सिरजन करअरहत- जनगिलिन सखेँ निहि करअरहअत, अखराके साँकअटे गिरि करे हेरअहेइन। इटाउ तेसने हेकेइक। मनेँ करेँ करअम परअबेक खनेँ कहअरहँ,

बेटिछउआँइ केसे करि बिहिन दानाले आँकराइकुन पहा करता उटा सिखला, आर केसे करि अहे पहागिलिनके जतअन करि बड़अ करेक कामटा सिखला। तेसने अखरा केसे करि छउआ जनमअल बादेँ जतअन करि बड़अ करबेथिन उटा अहे करअम परअबेँ सिखला। बेटिछउआ तअ उठिन छउआ जतअन करे सिखला मेनेक अहे सिखनअइतटा आपअन जिनगानिँइ जखन घटलेइन माने अखरा छउआक माँइ हेला अहे खनेँ अखरा जिनगानिक सउबले डागअर परखनेँ जितला। तेसने जन बिहिन दानागिलिन आँकुर करे सिखला, अहेगिलिन बुनि आर रपि बड़अ करि आबाद अजजे पारला हेले अखरा भुख जितेक बेहुँटा सिखला- भुखटाके जितलेथिक। एहे जितटाके सभेके जानाउए आखड़ाँइ देखाउएकटाइ तअ हेलेइक जितिआ पुजा। मेहरारुराइ हेला जितकार। एहे कारअनेँ छउआक माँइराइ एहे जितिआ पुजा करेक हकटा पाउलाहात।"

एहे लेखेँ गुँठबुढ़ाँइ जितिआ पुजाक खुँटिनाटि पछड़िकुन बुझाउए लागलेइन धरअम आर अकअर बेटा भगताके। उदिन गुँठबुढ़ा एसअन गबचअलाहे जानबे अकअर सिँकअड़ गाड़ालाहेइक। कहि देहेइन ससटितरेँ जेसअन मुजुँठिक खनेँ एकधाँउ छउआके लेगथिन धाइमाँइएँ, ससटि माँइके सेँउरि खापरा पिठा चघाउएइ आर अहे खापरा पिठाक एक खाँड़ा छउआक मुहे पहिल देइके पुजा निपटाउएइ। तेसने जितिआ पुजाँइ खिरा बेटाके डाइरतरेँ घलटाइके छउआके जतअनेँ हरअइद तेल माखाइके आँकुर पुजा करअत। जितिआ पुजाँइ जन जन नेगगिलिन हेउएइक अहेगिलिक खुँटिनाटि पछड़िकुन बिचार करि देखाउए लागलेइन गुँठबुढ़ाँइ। बजकेइते बजकेइते गुँठबुढ़ाँइ नउआ परबतिक नेगगिलिन बेजाँइ जुइतेक कहि बुझाउलेइन।

पुतअहुके पहिल एहे परअबटा अकअर सासेँ देउएक नेगे आहेइक- जेठानिँइ नउआ परबतिक आँइखगिलिन नुबाउएइक। करहनि/करअनि धानेक कुँचड़िक उपअर नउआ परबतिके बसे हेउएइक आर आम निहितअ महुल काठेक उखअइरेँ धान राखि तिन चट देइक आर तिनधाँउ सुपेँ पछड़िकुन देहिनाबाटेँ, नेगाबाटेँ आर आँखिरे पेछुबाटेँ फैँके हेउएइक। एहे नेगगिलिनके गुँठुबुढ़ाँइ कहलेइक एकटि बहुजि छउआक माँइ हेले अकअर सँगसारेक दाइभार बाढ़ेइक - छउआके जेसअन पालिपसि डागअर करे हेउएइक, तेसने घारेक सभेकर खाइएक जगाउएक कामटा करे हेउएइक उटाउ आरअ आँइखनुबि, माने आगुपेछु निहि भालिके। कुँचड़िक उपअर बसिके आगुक लेखेँ तिनबाटेँ तिनटि काँड़ चालाउए हेउएइक, इटाक खदिनदि करेइते जाइके कहलाक एकटा सँगसारेँ बहुत निअर उझअट फाभअड़ आउए पारेइक, सँगसारटाँइ लागु लकेक कुनजअइर गिरे पारेइक, तेँइ आँइख नुबि सँगसारटाके बाँचाउए जिउ आड़िकुन तिर धेनुक धरे हेउएइक। अहे आँइखनुबा रँगेइ सासेँ पुतअहुक अँजराँइ दिआ जराइकुन धराउएइक। आँइख उघराउलेइ पुतअहुक नजअइर हाँथेक जरअल दिआँइ बाझेइक। माने गटा सँगसारटाक सभे निअर आपाभार पुतअहुके देइकुन सास निफिकिर रहेइ एहे आसराँइ जे अँइ जन सँगसारटाके एतना दिनले आपअन करि ठिक ढँगेँ चालाउलाहि असने सँगसारटाक दाइभार लेउअनि पुतअहु पाउलाहेइक, सँगसारेक बँगसेक दिआ जेसे निझेक निहि, एहे आसिस देइके सास दाइछाड़ा हेलि।

गुँठुबुढ़ाक कथागिलिन एतेक मन देइके सुनेहेला दिअ बाप-बेटाँइ - कखअन जे आड़बेरा हेलाहेइक बुझेइ निहि पारला। सुँसारिँइ घटिँइ पानि आनिके खाइलाइ जाइ कहलेइन, उखनेँ हेले सभेकाइ चमकि उठला - बेराटिक बाटेँ

हुलकेहेथिक नअ देखला अ बाबा बेराटि घुरअलाहि। घटिक पानि धरि गुँठुबुढ़ा आर भगतारा दिअ बाप-बेटा एके सँगे खाइ बइसला। खाइ बसलअउ अखराक कथा सिराइन निहि, अहे लेखेँ जितिआ परअबेक काथा फदड़े लागला। सुँसारि आर अकअर माँइ सँजअति भेदाइ आहात आपअन कामे। अखराक एहे बजकनिक बाटेँ धेइआन देउएक समअइ काँहाँ, आपअन तालेँ काम करअहत। गुँठुबुढ़ा खाइ धइके बेराटि डुबे मुहालि उखनेँ घारबाटेँ उजालाक।

खेप - 7

चुइल दाढ़ि काटे निहि पाउला हेले कारागारेँ अखराक चुइल दाढ़ि बाढ़िके साधु-मुनिराक लेखेन हेलाहेइन। सलअ बछअर बितलेइक घार सँगसार छाड़ा हेइके, तेसने अखराक गातेक जाँगड़ा कमि गेलेइन, चरि करेक निअर मनेक जर आर रहलेइन निहि। ताउ कारागारले छाइड़ पाउअल बादेँ घुरिके एक धाँउ चरि करेक कसनि करअरहत। मेनेक गाँउएक मत एकठिन हेलाहेइन आर चरि डाकाइतिके सिराउएक किरा सभेकाइ खालाहात तेँइ लुटा हिँचड़ा करि दिन बिताउए निहि पारता उटा अखरा बुझि गेला एकटा घटनाँइ।

गुँठबुढाक आरअ एकटा धचअर आहेइक - बिहाक गँइदाक काम करा। इ कामटा अँइ मन लागाइके करेइ। गटा बछअरेँ तिनटाले चाइरटा बिहा पाकाउबे करेइ। केँदडिहेक गँहजुक घार जेसअन आनागना करेइ तेसने सिमअइर टाँइड़ेक भगता हेमड़अआरेक घारअ आउएइ जाइ। एहे आइ-जाइकुन कबे जे बर केनिआइ ठानअलाहेइन इटा दिअ घारेक केउए निहि जानअरहत। एकदिन गुँठबुढ़ाँइ दुलारिक बर जे भगताक बेटा धरअमके ठानअलाहेइक उ कथाटा गँहजुके फुटिके कहलेइक। गँहजु एके कथाँइ राजि हेलाक, केसे नअ भगता हेमड़अआर सिमअइरटाँइड़ गाँउएक बुनिआदि बसकअइता हेके उटा अँइ जानेइ। हिँदे जेसअन कथाटा छुआउलाक तेसने भगताक घारेउ कथाटा सर करलाक।

भगताके एकदिन लेइ आनलेइक गँहजुक घार। दुलारिके केनिआइ देखाउलेइक। मनेँ मनजुर हेलेइक खनेँ गँहजुअ गेलाक अकअर घार। एहे देखादेखि करेकटाहिँ जे गँहजु आर भगता पहिल चिनहाप हेला उटा नहेइक। सिमअइरटाँइड़ आर केँदडिह भिनु गाँउ नामेक हेकेइक, एकेटा गाँउ कहलअउ

कनअ बगड़अतेइक निहि, काहे नअ दिअ गाँउएक माझेँ एकटा टाँइड़, आठ दसटा खेत आर एकटा सतेँ दिअ गाँउके छिनगाउलाहेइक। सतटाँइ बारअ मास पानि बहेइक। एकटा ढाँगअ कउ गाछ डुबि जातेइक अतना गाढ़ा हेलाहेइक एहे सतिआटा। सिमअइरटाँइड़ आर केँदडि दिअ गाँउएक लक एहे सतिआटाँइ एकेठिन नाहात। भगताँइ गँहजुक घार जाइ आइके सभे देखअलाहे आर जानअलाहे तेसने गँहजुअ। आगुलेइ सभे जानाजानि आहेइन हेले हेतेइक किना, समाजेक रित नेतेँ बर देखे आर केनिआइ देखे दिअके आनागना करेइ हेलेइन। एहे बिहाटाँइ गुँठुबुढ़ाक साँगि खाटालि निहि हेलेइक। तिनभरि गहना देइके आर बिहाँइ केनिआइ घारेक चुलहा जराइके दुलारिके पुतअहु करतेइक कहि भगता माथालाक। बिहाक काम आगुआइ लागलेइक। कुटुम डाकाहाँका करि माड़ुआक दिन थिर हेलेइक।

तिनभरि गहना देइके पुतअहु आनतेइक एहे काथाटा समाजेँ बेजाँइ सर हेलेइक, सभेकाइ चकाला, काहे नअ उखनेँ तिन भरि गहना देइके पुतअहु आनेकटा अतेक आउसानेक कथा नहेइक। देउआथुआक बिचारेँ एहे माड़ुआटा एकटा नामजाइजका माड़ुआ हेलाहेइक। एहे तलापाटेँ एतेक साँगि गहना देइके बेटाक बिहा एहे पहिल हेउएहेइक। सभेकाइ नाम करलअउ झगड़ुक मनेँ थलकुल नाहु। पिसनाहा लकेँ काकरअ भालअ किना देखे पारता। झगड़ुँइ सिमअइरटाँइड़ आनागना बाढ़ाउलाक। कनअ निहि कनअ नाँगसाँइ भगताक घार जाइ लागलाक। साँढ़ा देखाले उचराइके पेरुआ किना आर सभे निअर काम गिरे लागलेइक झगड़ुकर।

झगड़ुक सिमअइरटाँइड़ आनागना देखि भगता आर अकअर बेटा धरअमेक मनेँ धिँधा लागलेइन। अखरा सतअरेँ रहे लागला। इटाउ सुनअलाहात

जे एहे परगनाँइ तिनटा साधु आउलाहात आर डेरा मेड़िआउलाहात। गटा परगना इटा जानाजानि हेलाहेइक मेनेक भगता आर धरअमेँ इटाके जुइत मने निहि करअहत, कनअ निहि कनअ बगअड़ काम हेतेइक एसअन ठानि अखरा निजेँ सभे निअर आटघाट बाँधि गाँउएक, आसपासेक हालचालेक बानार राखे एकटा कान पातिए रहअत।

हुँदेँ रामधन, जधा आर मधा कारागारले बाहरालाहात। सलअ बछअर तड़िक आपअन सँगसारले बाहारे रहला, ताहुँ अखराक धचअर निहि बदलअलेइन। बरहाँइ गु खाइ किना छाड़ता। एतना बदनाम हेलअउ अराक चेटकाल निहि हेलेइन। राजाक कारागारले बाहराइ अखरा केउए आपअन घार निहि गेला, मेनेक राइत हेलेइ अरा एकेठिन गठाइ लागला। गटा मुह दाढ़िँइ भरअलाहेइन, चुइलगिलिन दमे बड़अ बड़अ हेलाहेइन। अखरा भेसभुसा साधु निअर करलाहात आर हिँदेँ हुँदेँ दुइ-चाइर दिन रहि आँखिरे छेपअ डुँगरिक पाखअन खलअसेँ डेरा लेला। अहेठिनलेइ अरा दिअ मउजाँइ मागअन करि करि खात। आघुक चिनहाप अखरा काकअउ देथिन निहि। अखरा निजे साधु हेकिअ कहिए लकके चिनहाप देथिन। रामधन, जधा आर मधाके निछु जहरलालेक तिरिआ हिरामति, बेटा धिरालाल आर झगड़ुँइ छाड़िके केउए चिनहे निहि पारलाहेथिन। अखराके भिनुदेसेक कहिए जहरलालेँ जानेइन, तबे ढेइरदिन एहे मुलुकेँ आहात कहि एहे मुलुकेक भाखि जानअलाहात।

अराक पुरेना डेरा जहरलालेक घारेँ राइतेँ राइतेँ जाइ गुठु करअत, तेसने जहरलालेक बहु हिरामतिँइ आगुक चरिक धन मादअइरेक पइलाँइ सामान किनेकटा बिसरे निहि पारेइ। कहिके डेरा देबे करेइन, तेसने अकअर बेटा धिरालालअ हेके। झगड़ु हेके अराक लुठु लग। डाकाइतराके गाँउएक सभे घारेक

बानार आर डहअरेक आठघाट सभे अँइ जानाउएइन। सभे जानिबुझि ठानि आगुक सटअरेँ आचकाइ सिमअइरटाँइड़ेक भगताक घारेँ डाकाइतरा हाँकडाक भिड़ला। सिमअइरटाँइड़ गाँउएक कुलहिंइ पहिला साँझेइ मसाल जराइके इड़के लागला आर सभेके दमे गाइर देउए लागलेथिन। जेँइ अखराके हानता देबथिन अखराक जिउ बधि देबथिन इ कथाटा हुँड़रिके कहे लागलेथिन।

डाकाइतराक तरहअ देखि पहिल तअ गाँउएक सभेकाइ डराला, मेनेक भगताकर बेटा धरअम आर करअमेँ गाँउएक आरअ जुआन छकराकर सँग जन ठानअनिटा ठानअरहत डाकाइतराके खेदेक खातिर, उटा कामे लागाउएक छेँछकि बतअर पाउला। जेसेइ डाकाइतरा कुलहिक मुड़ाले हुँड़रि हुँड़रि घुरे लागला, तेसेइ कुलहिक दिअ पासाड़ि गलिले पाखनाँइ पाखनाउए लागलेथिन। डाकाइतरा एकटा घारेक गलि हुलके खजले दसअर गलिले अखराके पाखनाउए लागलेथिन। डाकाइतराक कनअ बुइध कामे निहि लागलेइन। पाखर-पानि बरसेक निअर अखराक गातेँ आँधेमुधेले पाखन गिरे लागलेइन, तेँइ जिउ बाँचाटाइ डाकाइतराक दाइ हेउए लागलेइन देखि निजे बाँचले बापेक नाम बुझिके पाराला। तबे चरेक चुरासि बुइध रहेइन कहि अखरा आपअन आपअन मुह पतरिके गटा गाँउ हुँड़रि बुलेहेला, धरअम आर करअमेँ चिनहेक बहुत कसनि करलेथिन मेनेक अखरा एकअ लकके चिनहे निहि पारलेथिन। कुलहिले बाहराइ बादाड़ डेगि सभे डाकाइत पाराला। एँधरिआ राइतेँ डाकाइत रगदे जाइएक काकरअ साँहाँस निहि हेलेइन, गटा गाँउएँ एसअन सुम लक निहि पाउआला। काहे नअ छिनगअउआ पाउले डाकाइतरा घुराइके रगदअइआराके पिटबेथिन। आरअ एकटा डर लागलेइन जे अखराक हाँथेँ टाँगि तराइल निहितअ कनअ निहि कनअ हाँइथार रहेइने।

डाकाइतराके तअ केउए चिनहे निहि पारलेथिन मेनेक धरअम, करअम आर गाँउएक लकेँ फुसुर-गुजुर करे लागला जे इटा रामधन डाकाइतराकरे काम हेकेइन। धरअमेक मनेँ जागेहेइक अहे झगड़ुक एहे गाँउबाटे साँगि चलअन-बाझअन हेउएहेलेइक अहे काथाटा, ताउए फुटिके काकरअ पासेँ एहे कथाटा कहले नेखे। तेसने डाकाइतरा सिमअइर टाँइड़ेक कनअ लकके तअ पाखनाउए देखथिन निहि, मेनेक अखराउ धरअम आर करअमेकरे काम हेकेइन कहि ठानअलाहात। अखरा एहे कथाटा डाकाइत दँहगिक सभे लकेँ जाना-जानि हेलाहात।

डाकाइतरा एहे रगदानि खाइके ढेइर डराला। झगड़ु गाँउएक हाउआ लेउए बिहानले निडर हेइके सिमअइरटाँइड़, केँदडि, सारअइडि, खिजुरबेड़ा, बहालकचा, पलासघुटु, बरुआडिह सभे गाँउ टहलिकुन कथा अनाउए लागलाक, झगड़ुँइ बुझलाक जे रगदअइआरा एकअ डाकाइतके चिनहे निहि पारथिन। आसपासेक भितरिआ मेहनानिगिलिन डाकाइतराक कानेँ बजड़ाउलेइन झगड़ुँइ, काहे नअ झगड़ुकर आपअन जाइतेकर बाटेँ टान रिचिकअ नेखेइक। डाकाइतरा अके धनेक लालअसा देइके अराक बाटेँ टानअलाहेथिक।

डाकाइतराके चिनहे निहि पारअलाहेथिन एहे बानारटा डाकाइतराक कानेँ गेलाहेइन, उखनले अखराक छातिटा दढ़अ हेलाहेइन। छाति उँड़राइके चलअहत। झगड़ुँइ तअ लुइटेक धनेक बाखराक खातिर आपअन भेइआदराक आर गाँउ घारेक कथागिलिन चालेइ। ताउ डाकाइतरा तअ हारुल हेला आर गाँउएक जुआन गुठ जितलेइक।

हिंदे धरअमेक बिहाक ठानअनि थिर हेले हेतेइक किना एकटा बड़अ नेग जे छाड़ाइ आहेइक उटा भगताक मने घुटघुटाबे करेहेइक। भगताँइ अकअर छउआपुताक धरअम पुजाटा जे निहि करलाहे उटा मने कराउलाहेइक अहे गुँठुबुढ़ाहिँ। गुँठुबुढ़ाँइ कहलाहेइक धरअम पुजा निहि हेले तअ छउआ-पुताक बिहा देउएक नहेइक, भगताहुँ एहे रितटा जानेइ, मेनेक अकअर हुँइस नेखलेइक। गुँठुबुढ़ाँइ आरअ कहअलाहेइक धरअमपुजा निहि हेलअउ बिहाघार करे पाराइक, तबे सुरुज धरअम राइएक नामे मानसिक करि मड़कचाँइ नउआ कुला टाँगिके बिहा सराउए हेउएइक। भगताँइ इ कथाटा जानेइ, तबे अँइ कुला टाँगि बेटाक बिहा करताक निहि, इटा गुँठुबुढ़ाके जानाउलाहेइक। तेँइ बिहाक दिन थिर हेलअउ एकमास बिहाटा पेछुआलेइक। भगताँइ धरअम पुजाक आड़ापाटा करलाक।

गँहजुक घारेँ भिनु कथा, अँइ आघुए धरअम पुजाटा पेरिआउलाहे। मेनेक भगताक घारेँ धरअमपुजा हेउएइक निहि, अहेलाइ माड़ुआक दिनटा एकमास ठेलालेइक। तेँइ भगताँइ धरअम पुजाटा पेरिआउताक एहे ठानिके गुँठुबुढ़ाक सँग गालमारि दिन ठिक करलाक। भाँगाबारेँ बार आर बेराबारेँ अनगुतेइ बेरा माहाराइएक पुजा ठानि थिर करलाहात। भगताक घारेउ अहे दिनटाइ थिर हेलाहेइक। बेरा धरअम राइएक पुजा जे भाँगाबार आर बेराबार माहानेँ करे हेउएक एहे कथाटा गुँठुबुढ़ाहुँ मेहनाबे करेइ।

हाँथेँ गनअल दिन खिआइते देरि नाहु हेउएक, थिरेँ थिरेँ धरअम पुजा नेइजकालेइक। भगताक घारेँ पुजाक नेउता कुटुमराके जानाउलाहेथिन तेसने भगताँइ आपअन भेइआदराके पुजाक बानार जानाउलाहेइन। नेग आहेइक कुटुमरा जेसअन एहे पुजाक भउग खाइ आउअत तेसने आसपासेक भेइआदरा

एहे पुजाक बानार पाइके पुजाक थान तुलसिपिढ़ाँइ आइकुन डाँढ़ात। गँहजुक बँसरिआर गुसटिक लक केँदडिह गाँउएँ निहि रहलअउ बाँसागड़ा गाँउएँ साँगि आहात, ताउ अखरा धरअम पुजाँइ आइकुन डाँढ़ारहअत। भगताक भेइआद त धुरेक नहअत, पासेक गाँउएक बहालकचाहिँ आहथिक, अखराउ भेइआद घारेक धरअम पुजाँइ आउलाहात। अकअर घारेँ दमे भिड़ जमअलाहेइक।

बेराडुबेक आघुए गुँठुबुढ़ा भगताक घार पँहचअलाहे, भगताहिँ अके आउए कहअरहेइक, काहे नअ गुँठुबुढ़ाँइ सभे नेग जानेइ आर दमे जुइतेक बुझाउए पारेइन एहे नेगिजगि गिलिन। गुँठुबुढ़ाक आरअ एकटा गुन आहेइक- अँइ माहाराइ गितटा जानेइ। अँइ अकअर बापेक ठिनले एहे गितटा सिखअलाहे, जेसअन जुइत रेगेँ अँइ गाहेइ, तेसने जुइतेक अँइ बुझाउए पारेइन। गुँठुबुढ़ाक निअर माहाराइ गित गाहअइआ लक एहे तलापाटेँ नेखअत। धरअम पुजाँइ माहाराइ गित गाहाबे करेइक, इटा एकटा नेगे हेकेइक। जागअरटि जराइके गटाराइत केसे करि ठुठुमुठु बसि रहि जागअर अगरअबेथिक, कहि एहे गितटा रचालाहेइक आर धरअम पुजाँइएँ केजान एहे गितटा सिरजनअ हेलाहेइक। तबे गितटा कबे जे सिरजालाहेइक आर कने सिरजअलाहे इटा गुँठुबुढ़ाहुँ कहे निहि पारेइ। धरअम पुजाक बेड़े नेग आहेइक, बेराडुबाँइ जागअरटि जराउए हेउएइक, आर गटाराइत जेसअन निहि निझाइ अहेखातिर सइलता फेरे हेउएक आर माझेँ माझेँ दिआटिँइ घिउ ढारे हेउएइक। एहे पुजाटाँइ नाइआ हेलाहे भगता निजेइ। निजेक गुसटिक लकेँ एहे पुजाक थानेँ डाँड़हात। नाइआ अहे गुसटिक लके रहेक हेकेइक, भिनु गुसटिक लक रहेक नहेइक।

गुँठुबुढ़ा आउअल बादेँ भगता नाहाइ आइकुन तुलसि पिँढ़ाँइ सालपातेक बँहताँइ घिउएक सइलता देउअल दिआ जराइके नमअ करलाक।

उखअइरेक कुटअल गुँड़िँइ चउक पुरअलाहि भगताक बहु सँजअतिँइ। अहे गुँड़िक चउक पुरि पँउआरेक बेनाउअल बिँड़िँइ राखलेथिक छेँदा करअल माटिक हाँड़ि। माटिक दिआँइ घिउ देइके कापासेक सइलता पाकाइकुन हाँड़िटिक भितअरेँ दिआटि गबअर ढुलाक उपअरेँ थासि देइ जराउलाहेइक भगताँइ। एहे कामगिलिन करेक खातिर मुहेक साउता रहेहेलाक गुँठबुढ़ा। धरअमेँ गुँठबुढ़ाके एकधाँउ पुँछलेइक, अखराक घारेक निहितअ गुसटिक बेटिछउआ भिनु गुसटिहिँ बिहा हेउएइन हेले अखराक गुसटि बदलेइन। तबे तअ अखराकरअ एहे पुजाक थानेँ बइसेक रिति निहि हेतेइन। गुँठबुढ़ाँइ बुझलाक एहे खँचटा अकेइ सलटाउए हेतेइक, काहे नअ तुलसिपिँढ़ाक पासेँ तअ लकेँ जमजमाट हेलाहात, मेनेक एहे रिति-निति जानअइआ लेखेन लक देखि निहि पाउआहात। तेँइ गुँठबुढ़ाँइ धरअमेक खँचेक जबाबेँ कहे लागलाक – कुड़मि घारेँ जनमअलेइ गुसटिक चिनहाप सभेकाइ पाउअत – अँइ बेटा हेके नअ बेटि इटाक बिचार निहि हेउएइक। आर अहे बेटिछउआटि बिहा हेलेइ ससुरघारेक चिनहाप पाउएइ। माने बेटिछउआक दुइटा गुसटि हेउएइन एकटा हेलेइक जनअमेक आधारेँ आर एकटा हेलेइक करअमेक आधारेँ - समाजेक रितेक आधारेँ। जाँहाँ जनमअल छउआक नाइर गाड़ाइक अहे ढिँढ़ाटा जिनगानिभर बिसरेइ निहि, आपअन माँइ, बाप, काका-काकि, जेठा-जेठि, आजा-आजिक मरअनेँ अहे खातिर छुइत पालेइ। तेसने अँइ सास-ससुर, काकाससुर, काकिसास, जेठाससुर, जेठिसास, आजाससुर, आजिसासेक मरअनेँ छुइत पालेइ। तेँइ बेटिछउआक दिअ गुसटिहिँ पुजा-पासा, छुइत मानअनेँ सरेपुरेँ हक आहेइन। मानेँ नेइहरेक धरअमपुजाँइ डाँढ़ाइएक हक अहे गुसटिक बेटिछउआक बिहा हेलअउ रहतेइनेँ।

एसने गालमारेइतके राइत हेलेइक, सभेकाइ तुलसिपिँढ़ाक पासेँ आइके बइसला हेले गुँठुबुढ़ाँइ माहाराइ गित उचराउलाक। कतेक लकेँ कतेक खँच करे लागलेथिक, मेनेक गुँठुबुढ़ाँइ सभेके एसअन बुझाउए लागलेइन जे सभेकाइ सुगुममारि सुने लागला। आरअ गाहे लागलाक माहाराइ गित। अकअर गित गाहेक जेसअन हुनअइर आहेइक तेसने आहेइक बुझाउएक हुनअइर। गित गाहेइ आर गितेक कथागिलिन सुनअइआराके कहिके बुझाउएइन। एसने करि कखअन जे राइतटा बितलेइक उटा केउए बुझे निहि पारला। भिनसरा भगताक घारेक रेँगिआ साँढ़ा खुखड़ाटा कुकरुँग चुँग डाकलाक उखनेँ सभेकाइ चेटकाल हेला। गुँठुबुढ़ाँइ भगताके कहलेइक "आर तअ गित सुनि सुनि रहले हेतेइक निहि, बेरा उगेइत उगेइत पुजाटा जेसअन सरेइक, सभेकाइ नाहाइ जा"। सभेकाइ नाहाइ गेला हेलेगानि गुँठुबुढ़ाक टुइएक साँथान हेलेइक।

अनगुतेइ सभे हेमड़अआर गुसटिक भेइआदरा नाहाइ आइके तुलसिपिँढ़ाँइ डाँड़हाला आर सभेकाइ रहिके पुजाटा सराउला। पाँठाछागअइर एकजड़ा बलि देलथिन, राँधाबाँटा करे लागला आर धरअम पुजाक भज गटादिन चललेइक। बेराडुबाँइ मुड़िगिलिन तुलसिपिँढ़ाले भगताँइ उठाउलाक हेले अहेठिने भिनु गुसटिक भज सिरालेइन। ताकअर बादेँ अहे मुड़िगिलिन छलि काटि बेनाइकुन हेमड़अआर गुसटिक लकेइ खाला, दसअर गुसटिक लकके देलथिन निहि–देउएक रितअ नहेइक। एहेलेखेन पेरिआलेइक भगताक घारेक धरअम पुजा।

खेप - 8

भगताक बेटा धरअम, करअम आर सिमअइरटाँइड़ गाँउएक जुआन गठेक ठिन हाइर मानिके डाकाइतरा सुगुम रहला आर सातदिन बादेँ अहे हिरामतिक घारेँ गुठु करे बइसला। जहअरलालेक तिरिआ हिरामतिँइ सभे डाकाइतेक खाइएक बेनाउलि आर अकअर बेटा धिरालाल डाकाइतराक गठेँ मेसालाक, तेसने झगड़ुअ अहे गुठुँइ मेसालाक। बइठअकिँइ सभेकाइ आपअन कथा बजके लागला, झगड़ुँइ दिअ मउजाक सभे गाँउएक हालचाल कहि बुझाउलेइन। सभेकाइ बजकिकुन बुझला जे आर एसअन लुटा हिँचड़ा करि पेट चला दाइ हेतेइक, भिनु उपाइ सँचे हेतेइक। एकअर बादेँ किना करे हेतेइक - उटा रामधनेँ फुटिके कहलाक निहि, भिनुदिन एहे ठानअनिटा करता कहि आझुक बइठकि सिराउलाक। सभेकाइ निदाइएक नाँगसाँइ आपअन आपअन डेरा गेला। धिरालाल आर झगड़ु घार गेला आर डाकाइतरा अराक डेरा छेपअ डुँगरिक सुँइध जाइके निदाला।

छेपअ डुँगरिक सुँइधटाँइ आघु बाघेक डेरा रहेहेलेइक, तेँइ अहे सुँइधटाक बाटेँ केउ निहि जात, सभेकाइ बाघेक सुँइध कहि डरात। सुँइधटा जुइतसिर केउए देखले नेखअत। डाकाइतरा एसने ठानित ढुँढ़ि बुलअत, जेसे अराके केउए निहि देखथिन। एखअन तअ सदअरेँ आर अरा डाकाइत नहअत अराक चिनहाप हेलाहेइन साधु कहिए। जे हेउअक छेपअ डुँगरिक चाटानटाँइ जन सुँइधटा आहेइक उटा बहुत जुइतेक हेकेइक। सुँइधेक भितअर छअ सात लक अइलफइल रहे कुलाइक। अहे खातिर रामधनरा एहे सुँइधटाहिँ डेरा गाड़अलाहात।

डाकाइत सरदार रामधनें ठानेइस किना करे हेतेइक, केसे करि बिन खाटालिँइ ढँढ़ा भरतेइक। मागअल चारेँ तअ पेट चलेहेइक, मेनेक उटाँइ चरेक मन किना भरतेइक। रामधन चरेक सरदार तअ एसने निहि हेलाहे, अँइ निजेक छउआपुताँइ केसे करि ढँढ़ा भराउता, केसे करि सुखेँ जिउएँ रहिके कम खाटालिँइ जिनगानि पुहाउता उटाकर फिकिरअ अकअर आहेइके। तेँइ रामधन छेपअ डुँगरिक सुँइधेँ सामहाइके दिना दसेकले सँचबे करेइस, जधा मधारा सुँइध छाड़िके खाइएक जगाड़ेँ गाँउएँ गाँउएँ टहलि बुलअहत आर आँधारेँ आँधारेँ अरा डेरा जाहात। अरा आनिकुन डाकाइतेक सरदार रामधनके खाइएक मुहाइ देहथिक आर सुँइध भितअरेँ माकड़ाक जालेक निअर बुइधेक पेँच गाँथबे करेइस। आँखिरेँ दस दिन बादेँ चेला जधा मधाराके पासेँ बसाइके कहलेइन अँइ दस दिनेँ किना किना ठानअलाहे अहेटा।

जेँइ एतनादिन काँसाइपार सहअ गटा काँसिपुर राइज माहानेँ चरि, लुइट-पाइट आर खुइनेँ राजसिक चलाउएहेलाक, जाकअर नाम सुनले पथअतिआरा डरेँ थरथराइ काँपेहेला, काहुँ कनअ पथअतिआक मरअन हेले, मुड़ काटाले रामधनेकेरे नाम लकेक मुहेँ मुहेँ घुरि बुलेहेलेइक एसअन किना रामधनेक नाँगसाँइ कनअ दसअर लकेँ अलताइके मारि मराउलअउ अहे डाकाइतराक बाटेइ दसटा गिरेहेलेइक, अहे खातिर इटाक बिचारअ हेउएहेलेइक निहि, काहे नअ अहे खुइनेक गहाँ देउएक लेखेन लके निहि पाउआइहेला। आर एसने नामजाइजका डाकाइत रामधनेक एसअन हाल हेतेइक उटा केउए निहि जानअत, रामधनेँ तअ गतअरेक बलेक टेढ़िँइ एहे हालेक कथाटा सँचबे निहि करअरहे। रामधनेँ बुझलाहे जे बलेक तेजेँ लकके भँटे निहि पारातेइक, तेँइ बुइधेँ काम लेउए हेतेइक। एहे ठानि छेपअ डुँगरिक खँड़हर सुँइधेँ गबचि आपअन गेधिँइ पेँच बाहराउए ठेसअरहे आर

अहे बुइधेक जाल एसअन बुनलाक जे अहे जालेँ सभेके बाझाउतेइन - इटा अकअर दढ़अ पततुक। रामधनेँ जधा-मधाके खँड़हरेँ बइसाइके कहे लागलेइन– “देखा आइज हामरा बेजाँइ साँकअटेँ गिरअलाहिअ, गाँउएँ गाँउए जुआन गठ बनअलाहेइक, बाहारेक उझअट फाभअड़ले निजे बाँचे आर आफअइद बिपअइतले गाँउएक सभेके बाँचाउए अखरा किरा खालाहात। तेँइ डराइ धमकाइके, लुइट करिके, आर हामराक चलति निहि, काहे नअ जाँहाँइ हामरा जाहिअ लकेँ रगदाइके खेदअहत। जुआन गठेक बुता आर बुइधेक पासेँ हामरा हारुल हेउएहिअ। तेँइ हामराक लुइट करेक काइदाटा बदलाउए हेति। हामराक आउति जिनगानि सुखेँ बिताउए, छउआक छउआक जिनगानि सुखेँ जिउएँ बिताउए हेले, कम खाटालिँइ धन लुइट करे हेले हामराके मेहि बुइधेँ काम लेउए हेति। चरि, लुइट तअ हामरा करबे करअब, मेनेक जबअरि धन लुइट करे निहि जाब, जेसे लकेँ आपअन खाटालिक धन निजेइ आनि देत, अहे बुइधटा हामि ठानअलाहाँ। जधाँइ तअ बेजाँइ जुइतेक गित जड़े जानिस, तके गित जड़े हेतअउ। मधाँइ गित जड़े निहि जानिस तअ किना हेतेइक, गाहे तअ जानिस, आर मिछा कथा कहाँइ तर जड़िदार लक एहे तलापाटेँ देखे निहि पाउआत – तेँइ गितगिलिन गाहबे, आर तेँइ कइटा केहनि जड़ेँ। आर हुँदे झगड़ु तअ हामराक गठेँ आहे, अँइ एहे केहनि आर गितगिलिन पड़चाउए गाँउए गाँउएँ लक जहड़ाउतेइन। लक जहड़अलेइ एहे गित आर केहनिगिलिन लकके सुनाउबेइन। आइज पाँच लक, काइल दस लक, एसने करि एहे जाले हामरा गटा सँगसारेक लकके बाझाउबेइन। केहनिगिलिन एसअन जड़ातेइक जे, लकेँ अहे केहनि आर गित सुनि धरअमेक नेसाँइ सभे साँचा मने करता आर अखरा जतेक एहे केहनि आर गित सुनता, सभेकाकर मगअजेँ एहे केहनिक कथागिलिन गुँथातेइन, एसने करि थिरेँ थिरेँ लक एहे दलदलिँइ थासाबे करता पिढ़िक पिढ़ि। आर हामरा आपअन छउआपुताके

पिढ़िक पिढ़ि सुखेँ जिउएँ राखे पारबेइन। चरि, लुइट-पाइट, मारामारि, काटाकाटि हेनतेन जन कामगिलिन एतनादिन करि आउलाहिअ अहे कामगिलिन करले महापाप हेउएइक, तबे दान करले जे महापुइन हेतेइक इटा केहनिँइ, गितेँ जड़बे करबेहे आर पापेकले रेहाइ पाउएक खातिर पुइन करे हेउएक, दान करे हेउएइक – एहे कथागिलिन गिते केहनिँइ जड़बे करबेहे। एहे निअर जुइत जुइत कथा केहनिँइ आर गितेँ जड़े हेतअहन। आरअ एकटा कथा मने राखबेहे, एहे ठानअनिटा आर हामराक कामगिलिन जेसे हामराक तिनअ लकेकर माझेइ रहेइक, काकरअ काने जेसे केउए नाहु दिहान निहितअ हामराक ठानअनिटा सभे गुड़-माटि हेति।"

रामधनेँ एहेलेखेँ ठानि चरि-लुइट करेक बुइधटा आँटलाक, अहे बुइधटाके कामे लागाउए रामधन, जधा आर मधा तिनअ लक ठेसि गेला। मागि आनि आनि खात आर अहे छेपा डुँगरिक सुँइधेँ बसि बसि गित, केहनि जड़बे करअहत। दिन जाइक, मास जाइक अखरा केहनि गित जड़बे करअहत। मास छअइएक बादेँ एकधाँउ रामधनेक आड़हाने झगड़ुके डाकि आनलेथिक अहे सुँइधेँ।

झगड़ुअ गेलाक काहे नअ अँइ तअ अखराके जानेइन चिनहेइन। अखराक पास गेले झगड़ुक लाभे आहेइक हानि नेखेइक उटा अँइ जानेइ। आरअ बहुत धाँउ अके डाकाइतरा डाकरअहेथिक, कखनअ लुइट करअल गहना आर कखनअ लुइट करअल टाकाकड़ि देइके पाठाउरहेथिक, कबअउ सुधा हाँथेँ निहि घुरेइ। एहे लभेँ झगड़ु छेपअ डुँगरिक सुँइध जाइलाइ राजि हेलाहे। झगड़ुके एसे कनअ देथिक, गहना टाका-कड़ि देले अराक काम करे हेउएइक, केजान इधाँउ किना काम करे हेतेइक - एहे दइसत मने लेइके झगड़ु गेलाहे डाकाइतराक पास।

एखअन तअ आर अरा डाकाइत नहअत, भेस भुसाँइ अरा गनालाहात साधु। झगड़ुके आगुक लेखेँ आदअर जतअने बइसाउलेथिक डाकाइत साधुरा आर सरदारेँ कहे लागलेइक – "सुनेँ झगड़ु बाबु, तँइ हेकिस एहे खिजुरबेड़ा आर पलासघुटु मउजाक एकटा नामजाइजका लक, मेनेक तके एहे तलापाटेँ माइन देथु निहि, माइन पाउएक लेखेँ लकके अखरा माइन देथु निहि इटाँइ मर बेड़े दुख हेउएइ। तबे हामअर कथा मानले आर हामरा जेसअन कहबअउ तेसअन काम करले तँइ एकदिन बहुत धनगर हेबे आर तके लकेँ मानबअ करबथु"।

झगड़ु मने मने फुलि गेलाक, धनेक लभेँ आर माइन पाउएक लालअसाँइ डाकाइत सरदार रामधनके कहलेइक – "कहेँ नअ मके किनालाइ डाकअलाहिस आर मके किना करे हेति। कनटा करले धनेँ माइनेँ मँइ उँचा हेउए पारअम"?

रामधनेँ बुझलाक जे अकअर ठानअनिटा ठिके आहेइक, निहितअ एके कथाँइ झगड़ु राजि निहि हेताक। फुटिके कहलेइक – "आगु तअ तँइ हामराके बहुत साहाइ करअलाहिस निहितअ हामरा एहे तलापाटेँ कबअउ डाकाति करे पारेतेलिअ निहि। आगुबाटेँ तँइ साहाइ करले तर बहुत लाभ हेतअउ, सँगेँ सँगेँ हामराकरअ लाभ हेति। हड़राके हामराक गित-केहनि सुनेक खातिर जड़अ करे हेतअउ, हामरा जड़अ हेल लकगिलिक ठिन ले जन जन सामान पाउअब, अहे धनगिलिनेक एकटा खेजा तके राखि देबअउ"।

झगड़ु बेजाँइ रिझेँ हेलाक आर अँइ मनमनालाक इटा तअ तेसअन आँटिक काम कहले नेखथिक अके, कनअ निहि कनअ बुइध लागाइके लकके बुझाउतेइन अँइ। आर निहि माथाले अँइ जे आरअ भिनु बुइध लागाउताक उटा

झगड़ुक जानअल आहेइक। तेँइ झगड़ुँइ रामधनके फुटिए कहलेइक "इ कामटा हामि तर करि देबँ, तबे जेसे मर खेजाटाँइ मके फाँकि नाहु दिहा"।

रामधनेँ घुरिके एकधाँउ हुचकानिक कथा झगड़ुके सुनाउलेइक, कहलेइक- "देखेँ झगड़ुबाबु, तर सँग तअ आइझ हामराक नउआ चलअन बाझअन नहि, हामरा जतनादिनले इहाँ काम करअलाहिअ तर साहाइ रहबे करअउ आर तके तअ एतनादिन फाँकि देले नेखिअ, आइझ केसे तके फाँकि देबअउ। तँइ जतना साँगि काम करे पारबे ततना तरअ लाभ हेतअउ आर हामराकरअ हेति"।

एहे निअर काथा हेलेइन आर आँखिरेँ झगड़ुँइ अराक ठिनले बाहरालाक आर आपअन घारबाटेँ आउलाक। अहेदिनेक कथा रामधन, जधा, मधा आर झगड़ुक माझेइ रहलेइक। दसअर केउए जानला निहि, सुँइध भितअरेक काथा सुँइध भितअरेइ गुमरे लागलेइक। झगड़ुके घार पाठाइके रामधन अकअर चेलाक सँग कामे ठेसि गेलाक। सभेकाइ जिअमरअ काम करे लागला। बहुत जुइतेक बुइध भाँउ ठानि बाहराउलाहे कहि जधा मधारा एहे कामटा मन लागाइके करे लागला। रामधन, जधा आर मधा तिनअ लक अहे दिनले बाहार कमे बाहारात, खाइएक जगाड़ हेलेइ अखरा घुरिके सुँइधेँ जाइ आपअन गित-केहनि जड़ेक कामे ठेसि जात।

खेप - 9

गुँठुबुढ़ा सँचे रहअइआ लक नहे। जेसेइ भगताक घारैँ धरअम पुजा पाइरालेइक तेसेइ बिहाक आड़ापाटाँइ ठेसलाक। दिन धारिज करअल रहले हेतेइक किना धरअम पुजाँइ अहे ठानअल दिनगिलिन भेसति गेलाहेइक, तैँइ घुरि दिन धारिज करे हेतेइक तबेगानि बिहा पाकतेइक। अहेलाइ घुरिके दिन धारिज करे गुँठुबुढ़ा गेलाक केँदडिहेक गँहजुकर घार, गँहजु आर अकअर बेटा फुचुँइ अके आदअर जतअने बसाउलेथिक आर बानार पुँछे लागलेथिक। गुँठुबुढ़ाँइ भगताक घारेक सभे बानार कहि देलेइक। एधाँउ बिहाक दिनटा घुरिके धारिज करे भगताँइ अके आउए कहलाहेइक आर भगताउ जे गँहजुक घार आउताक अहे कथाटा सुनाउलेइक। एसने बजकेइत बजकेइत भगताउ हाजिर हेलाक। दिअ बेहाइके एकठिन बसाइके गुँठुबुढ़ाँइ बिहाक दिनखनेक कथाटा उठाउलाक। सभे तअ आघुलेइ राजि हेइ आहात तैँइ इ कथाटा निपटेइते तअ आर साँगि पैँच नेखेइक। भगता, गँहजु आर गुँठुबुढ़ा तिनअ लक मिलि मत करि सातदिन बादे लगअनेक दिन धारिज हेलेइक। भुड़काबारैँ लगअन धरातेइक आर पाँचदिनेक लगअनैँ बिहा हेतेइक, तैँइ खरअबारैँ हेतेइक माड़ुआ। दिन धारिज करि सभेकाइ गँहजुक घारैँ खाउआपिआ करि भगता आर गुँठुबुढ़ा आपअन आपअन घारबाटैँ डहरअला।

दिअ घारेइ बिहागितेक गहगहि सुनाइ लागलेइक। पातअइर टिपअहत आर गित गाहअहत। पातअइर निहि टिपले भज केसे हेतेइक। गाँउएक एकटा रित आहेइक, काकरअ घारैँ बिहा निहितअ मरा भज हेले आड़पड़सि भेइआद सभेकाइ मिलिकुन सालपात तड़अत आर पतरि टिपि देथिन, गाँउए काकरअ घारैँ बिहा हेले उटा सभेकाइ आपअन घारेक कहि मानि लेत आर बिन

बेरहअनैं आँटेक कामगिलिन करिकुन साहाइ करथिन। तेँइ गाँउएक दसअर घारेक मेहरारुराउ आउलाहात पातअइर टिपे। बिहा नेइजकालेइक कहि मेहरारुरा गित गाहे ठेसअलाहात। केसअन बुझाहेइक गाँउटाँइ सभे घारैं बिहा लागअलाहेइक। सभेकाइ मिलिमिसि जे एकटा बिहा पेरिआउअत एहे गितगिलिन सुनलेइ बुझाइक। गँहजुक घारैं जेसअन बिहागित सुनाहेइक तेसने भगताक घारेउ सुनाहेइक। दिअ गाँउ ठेसाठेसि आहेइक कहि दिअ गाँउएइ बिहागित गाहाहेइक उटा सतिआ धाइरले सुनाहेइक गटागाँउएँ गितेक गहगहि।

दिन खिआइ खिआइ सिराइके लगअनेक दिन पँहचअलेइक। लगअन एसअन एकटा नेग हेकेइक जे अहेदिन बिहा पाकेइक। मानेमते जतना ठानमान हेउअउक जतना दिन निहि लगअन धराइक अतना दिन बिहाक बानार आड़ेअलअते छपलअलउ उटाक माइन समाजैं हेउएक निहि आर लगअन धरालेइ बरघार आर केनिआइ घार जेसअन बिहा हेतेइक कहि निचित हेउअत तेसने भेइआद, कुटुम, पड़सि सभेकाइ बुझअत जे बिहाटा हेतेइके। घार आनगा लरा-लिपा हेलेइक, भरखरि धुपैं भगताँइ गुँठबुढ़ा आरअ तिन लकके लेइ गँहजुक घार हरअइद गाँठा, सन, आरुआ चार आर नेगेक सामान सँगैं लेइ पँहचअलाक। आदअर जतअन कुटुम सुँसार कनअटाँइ कम निहि करलाक गँहजुँइ। तुलसि पिँढ़ाक पासैं बसि केनिआइएक काका आर बरेक काका नाताक लक बसिके एहे लगअन बाँधा कामटा करे लागला। लगअन बाँधाइक आगु केनिआइके बरघारेक लकैं बरअन करलेथिक गहना देइ। नेगैं नेगैं लगअन बाँधालेइक, लगअन बाँधा गित गाहला मेहरारुरा। लगअन चुमाउला केनिआइ घारेक मेहराँरुँइ आर लगअनेक एकटा खेजा बरेक काकाँइ मुड़ेक पाग खलि लगअन चार आर सनैं बाँधअल हरअइद गाँठा आधाखेजा बाँधिकुन घुराइके मुड़ैं पाग

बाँधलाक आर उहाँले बिदाइ हेलाक। भगताक बहु आर भेइआद आर पड़सि घारेक मेहराऊँइ आनगाटा गँठअ गँठअ भरलेइक। गितेँ गहगहाहेइक भगताक घार। सभेकाइ लगअन चुमाक खनेँ भिड़ करि आहात, लगअन चुमालेइक आर घार सामहाउला। एतना नेग करेइते बेरा डुबि आँधार हेलेइक।

घुरिदिन बिहानले भगताँइ कुटुम, हित-मितानके नेउता भेजे लागलाक लगअन बाँधा चार आर गुआ देइकुन भेइआद घारेक तिन लकके नेउते पाठाउलेइन। एसने काम हेलेइक गँहजुकरअ घारेँ। नेग नेतेँ लापितके देलथिक गाँउएक लकके नेउतेक आपाभार। गाँउएँ आर कुटुम समाजेँ जानाजानि हेलेइक बिहाक कथा। एहे नेउता बुला कामटा बेड़े झँकमारि काम हेकेइक, तिनदिनेक माथाँइ नेउता बिहलाउए हेतेइक, काहे नअ पाँचदिनेक तअ लगअनेँ हेकेइक। तबे भेइआद आर गाँउएक हितेक लकेँ साहाइ करले उटा बेड़े आउसान हेउएइक। भगता आर गँहजु दिअके सभेकाइ साहाइ करलेथिन। तेँइ एहे कामटा दुइए दिनेँ निपटअलेइक।

बिहाक काम झँपअटेँ चले लागलेइक भगता आर गँहजुकर घारेँ। पतरि टिपेक खनले बिहागित उचरअलाहेइक, एखनअ चलेइते आहेइक। दिन जाइतके कतेक देरि, थिरेँ थिरेँ माड़ुआदिन पँहचअलेइक। बर घारेँ बिहानले लरालिपा चलेहेइक, घारेक सभेकाइ हिंदेँ हुंदेँ कामे बाझालाहात, सालखुँटि, साल डहरा, आमगाछेक डाइर, आमकाठेक पिँढ़ा, बनअमाला बेना, पँउआर दड़िँइ बनअमाला पाकाउएक निअर कतेक काम करे हेउएहेइन। घारेक लकेँ सभे काम तअ करे पारअत निहि, भेइआद घारेक लकेँ, पड़सि घारेक लकेँ साहाइ करथिन एहे निअर कामेँ। बर घारेक निअर केनिआइ घारेउ बिहानले लरालिपा चलेहेइक, घारेक सभेकाइ हिंदेँ हुंदेँ कामे बाझालाहात, सालखुँटि, साल डहरा, आमगाछेक

डाइर, महुल काठेक पिंढ़ा, बनअमाला बेना, पँउआर दड़िँइ बनअमाला पाकाउएक निअर कतेक काम करे हेउएहेइन। तबे केनिआइ घारेक ले बरघारेँ साँगि सारभार जहड़ाउए हेउएइन काहे नअ इँदुर हेहअल ले उचराइके दहि, कुरथि, चिउड़ा, बेइगन, नटअइ, ननअद पेटि, चेँगमाछ, हँठुआ सभे मुहाउए हेतेइक तबेगानि बिहा सरतेइक। अहेखातिर भगताक घारेँ साँगि झँकअझलेक काम आहेइक। धरअम तअ बर हेके, अके कनअ कामपाइट करे देबथिक केसे। करअम आहे फाँका अकेइ एहे मुहाजुहाँ करे हेउएहेइक, तबे करअमेक कामे बेजाँइ फुरति, इ निहि रहले भगताक झँकअझल सिराइतेलेइक निहि।

सभेकाइ कामे बाझाइ आहात एसने समअइ कँदेले झगडु आइके हाजिर। भगताँइ झगडुक आचकाइ आउएक कारनटा बुझे निहि पारलाक, काहे नअ अके तअ नेउताउ निहि भेजेइक। तबे घार आउलाहे अहे खातिर घारेक लकेँ अके घटिँइ पानि देइ माइन देइ बसाउलेथिक आर भगताँइ निजे जाइके बानार पुँछलेइक। झगडुँइ भगताके कहे लागलेइक – "देखेँ तँइ हेउएहिस एहे गाँउएक एकटा नामजाइजका लक, आइज तर बेटाक बिहा, तबे बिहाक आड़ापाटा किना किना करअलाहिस एहेगिलिन लेइके टुइएक मर जानेक आहि।" आचकाइ झगडुँइ एसअन कथा कहेइस काहे, इटा टुइएकअ भगताक मुड़ेँ निहि सामहालेइक कहि झगडुके कहलेइक – "हेँ झगडु तँइ आइझ आचाके आइके एसअन कथा कहेहिस, इटा तअ मँइ कनअ बुझे निहि पारअहँ"।

झगडुँइ कहे लागलाक– "नेहि माहातअ एसअन कनअ दसअर सँचबे निहि, हामरा सभे पुजा-पासा, रिति निति करिअ समाजेक मतेँ। इगिलिन तअ ठिके आहेइक, तबे जुइतसिर ढँग करि करले जुइत हेतेइक, तर मान बाढ़तअउ। बेटाक बिहा करेहिस, तबे टुइएक सँचि-बुझि देखेँ – तर एतना गहना देइके केउए

बेटाक बिहा करे निहि पारअलाहात आइझ तड़िक – इटाँइ तर नाम-जस छपलअलाहअउ। आरअ टुइएक नाम हेतअउ, तके गुनिमानि कहबथु जदि तँइ एहे बिहाक नेग-जगगिलिन जुइत ढँगे करिस हेले। आगुले जेसअन चलेहेइक ठिके आहेइक, मेनेक हालेँ हामराक गाँउ आसपासेँ तिनटा साधु घुराफेरा करअहत–अखरा दमे जुइतेक जुइतेक गित जानअत आर नेग-जग गिलिन बेइससिर करे जानअत। तेँइ मँइ कहेहेलँ अखरा तअ दमे धन खजथिन निहि, जतना देबसिन अहेटाँइ तुसटअ हेउअत। अखराके डाकि आनि टुइएक गित गाहाइके नेगजगगिलिन करेतेलिस हेले बेजाँइ जुइत हेउएतेलेइक। एहे काथाटाइ कहेक खातिर मँइ तहअर घार आउलाहँ"।

भगताँइ झगड़ुक सभे कथा मन देइ सुनेहेलाक, मेनेक जतना खन कहलाक चुपे रहअरहे। भगताक मने हेउए लागेहेइक गुँठुबुढ़ाक कथा। बुझाउएइन कतेक नेग-जगेक कथा, कतेक जुइतसिर बुझाइ कहेइ समाजेँ चलअतक रिति-नितिक कथा। तेँइ झगड़ुक कथागिलिन भगताक हिआँइ-मने काँटा निअर बिँधलेइक, तबे मु-फुटिके तेसअन रुसानि कथा कहलाक निहि। झगड़ुक कथा सिरालेइक अहे खनेँ भगताँइ कहलेइक– "सुनेँ झगड़ु तर कथागिलिन सभे मँइ सुनलँ आर बुझलँ, तबे हामराक बुढ़ा-पुरखाराक बेनाउअल नेग-रिति-निति मँइ छाड़े पारअम निहि, भालअइ करअलाहिस आउलाहिस, तबे अहे जे कहले जुइत जुइत गित जानअत–अखरा आइके गाहता आर बिहाटा चुकाउता–इटा मँइ निहि माने पारअहँ। काहे नअ हामराक घारेक मेहराँरुँइ जन गितगिलिन जानअत आर गाहि आउअहत अहेगिलिन तअ मँइ कनअ बगअड़ बुझे निहि पारअहँ, मके तअ जुइते लागेइ, तेँइ मँइ दसअर गित गाहअइआ आर नेग करअइआ आनिकुन बेटाक बिहा देउए पारबेँइ निहि – इटा तके साफा कहि देलँ"।

भगताक कथा सुनि झगड़ुक मुहटा गसुआलेइक, मुह फुटि तअ कनअ कहे पारलाक निहि – अँइ जन आसराँइ आउरहे आर जन फाँदटा आड़े खजरहे उटा अकअर खाटलेइक निहि–सुटुँग-पुटुँग उठि आपअन घारबाटेँ गेलाक। आपअन मने गँदराइ गँदराइ डहरअलाक–राग तअ दमाट लागलाहेइक मेनेक भितरिआ कथा तअ काकअउ कहि बुझाउए निहि पारेहेइन। मनेक राग मनेँ रहि गेलेइक।

भगताँइ तअ बुझलाक निहि झगड़ुँइ मने मने किना गुड़ चिउड़ा सानरहे उटा, तबे अकअर मतेँ चलाटा जुइत निहि हेतेइक, समाजेक रितेक बाहार हेतेइक-उटा बुझअरहे। अहे खातिर अँइ झगड़ुके साफा जबाब देलाहेइक। एहे कथाटा सर हेलेइक– गुँठबुढ़ाक मनेँ बेजाँइ फुरति हेलेइक भगताक कहअल कथाटाँइ। तबे भगताक बहालकचाक भेइआदरा जेँइ जेसअन पारला गँदराला। केहु कहे लागला साधुरा तअ बेजाँइ भालअ लक हेकअत, अखराके आनिकुन बिहाक नेग-जग सराउले बेइस हेउएतेलेइक। आरअ केहु कहे लागला भगताँइ ठिके करअलाहे, हामराक बुढ़ापुरखाराक चलाउअल नेग-निति मानिकुन चलाटाइ बेइस हेकेइक। आपअन समाजेँ पिढ़िक पिढ़ि चलि आउएहेइक जन नेग-नितिगिलिन उगिलिन मानि चलाटाइ सभेकाकर धरअम हेकेइक। एहे गँदरानिगिलिन इठिन उठिन हेलअउ भगताक पासेँ फुटिके केउए कनअ निहि कहला। बिहाक नेग-जग चले लागलेइक। बहनअइएक बाँधकड़ा, थुभड़ा भात, अमलअ खाउआ, बरिआतेक बरसँपड़ा खाउआ सभे नेग चुके लागलेइक। एसने करि बिहाक सभे नेग समाजेक रितिक नेतेँ मानिके भगताक बड़अबेटा धरअमेक बिहाटा सुसरँगखलेँ चुकलेइक। बिहा पाइराइ घुरफेइर हेलेइक आर बेटा-पुतअहुक सँग भगताक सँगसार निफिकिर चले लागलेइक।

खेप - 10

आपअन गाँउ सिमअइर टाँइड़ेँइ झगड़ुक मत चललेइक निहि। भगता गाँउएक लक हेले किना हेतेइक अखरा हेला हेमड़अआर गुसटिक आर झगड़ुरा हेला डुमरिआर गुसटिक, भगता आउलाहे बहालकचाले आर झगड़ु आउलाहे सालगाँउले। दिअकर गुसटि भिनु भिनु आर एखराक नेगनितिँइ टुइएक फरअक आहेइन। तबे धँचअरेँ साँगि फरअक आहेइन। भगता हेके गाढ़ि बुइध धरअइआ लक आर झगड़ु हेके परपँइचा- परेक चाइलेँ चलअइआ। भगताँइ आपअन गुसटिक, समाजेक नेग-नेगाचार मानि चलेइ, अहे खातिर झगड़ुक कथागिलिन अकअर सहालेइक निहि आर कथागिलिन तुरुतेँ काटि देलेइक। तेँइ बेजाँइ रागेँ, दुखेँ हेलाक आर साधुराके एहे बानारटा देउए एकदिन छेपाड़ुँगरिक सुँइध गेलाक।

रामधन डाकाइत "चर बुढ़ाले साधु" हेउएक लेखेँ एखन साधु हेलाहे आर झगड़ुँइ अके बाबाजि कहिए डाकेइक। रामधनेक बाबाजि बानाटा पलासडिह आर खिजुरबेड़ा मउजाँइ छपलि गेलाहेइक। लकेँ एखराके डाकाइत कहि निहि जानथिन, सभेकाइ बाबाजि कहिए जानथिन। रामधन बाबाजि जधा आर मधा एके सँग बइसअलाहात आर केथिक पछड़अन निछड़अन चलेहेइन केजान, तबे उहाँ काकरअ राँइटुँइ निहि पाउआहेइक, कनअ बाछनिक ठेहअड़ेँ सभेकाइ सँचे लागअलाहात। एसने समअइ झगड़ु अखराक डेरा जाइके पँहचअलाक। मधाँइ पहिल झगड़ुके देखलेइक हेले रामधन बाबाजिके इसारा करि झगड़ुक बाटेँ देखाउलेइक। रामधनेँ चनहाक सुरेँ झगड़ुके डाकि पासेँ बसाउलेइक आर बानार पुँछलेइक। झगड़ुँइ एहे दिअ मउजाक सभे बानार देलेइक आर भगताक घारेँ जे अकअर कथा मानलेथिक निहि उटाउ जानाउलेइन।

बाबाजिँइ झगड़ुक कथाटा सुनि एक धेइआनेँ सँचे लागलाक। बहुतखन काकरअ सँगेँ कथा निहि कहलाक आँइख नुबि बसिए रहलाक।

एसने करि बहुतखन काटलेइक। रामधन बाबाजिके देखि जधा-मधाउ सुगुम आहात, झगड़ुँइ एकाइ किना कहताक इअ सुगुम आहे– काहे नअ इ तअ हेके अराक बाहारेक सँगि। रामधन बाबाजिँइ बहुतखन बादेँ आँइख उघराइके कहे लागलाक – "इटा तअ हेबे करतेइक– आचाके एकटा कथा लकके सुनाउबेसिन आर अखरा किना कहेइते कहेइते मानि लेबथु। इठिन धिरअजेँ काम लेउए हेतेइक। एहे समाजेक लक आपअन समाजेक रिति-नितिक डहअरेँ चलि हिँसकाइ आहात, अखरा तुरुत हामराक कथाटा मानता निहि। तबे इटा नाहु सँचिहा जे अखरा हामराक चाइल जानअलाहात, अखरा हामराक चाइल अलअटेँ बुझता निहि– बुझेइते बुझेइते बहुत दिन लागतेइन, तातके हामराक काम हासिल हेति। जतनादिनेँ समाजेक लकेँ हामराक चाइल बुझता ततना दिनेँ हामराक तरअफदारि करअइआ लक बहुत हेता आर तखअन अहे समाजेँ हामराक चाइल धरलअउ हामराक नितिटा छाड़े पारता निहि, काहे नअ हामराक तरअफदारिक लकेइ अखराक सँग लड़ता आर हामराक नितिटा छाड़े माना करबेथिन- डाँगठेँगा लेइ डाँढ़ाता। हामअर कथा सभेकाइ कान पाति मन देइ अनाउआ, एसने सझअ सझअ कहले तराके केउए निहि मानबथुन, केउए हामराक रिति-नितिगिलिन आपअन कहि मानता निहि, अखराके मानाउए बहुत निअर चाइल चाले हेतेइक। जधा तँइ एसअन आरअ गित जड़ेँ जेसे कहेँ धरअमेक कथा मेनेक भितरिआ जेसे लाइ-चुगुल आर समाजके खाँड़ेक निअर कथा रहेइक, निजेक तरअफसानिक कथा जेसअन गितेँ फुटि उठेइक। आर मधा तअ मिछाकथा जड़अइआ माहुड़ लक हेकिस, तँइ आरअ एसअन एसअन केहनि जड़ेँ जेसे केहनिक माझेँ एसअन एसअन कथा रहेइक जेटाँइ भाइएँ भाइएँ, बाप-

बेटाँइ मेल निहि हेउएइक असअन कथा रहेइक। तबे गित जड़ा आर केहनि बेनाउआ दिअटाहिँ जेसअन धरअम हेउएक निअर कथा कहाइक आर समाजटा खाँड़ेक कथा रहेइक, समाजेक लकके भिनगाइकुन राखेक निअर कथा जेसअन कहाइक"।

झगड़ुँइ एतना खनले रामधन बाबाजिक कथा मन देइ सुनलाक ताउ अँइ निजेँ किना करताक आर अके किना करे हेतेइक इ कथाटा बुझे पारलाक निहि। तबे एहेटा बुझे पारलाक जे, भगताक घारेक कथाटाक जालाहिँ जधा आर मधाके एतना किछु बुझाउलेइन – केसअन केसअन गित आर केहनि जड़ता अहेटा। रामधन बाबाजिँइ जधा-मधाके आढ़ाइके टुइएक थिरालाक आर झगड़ुके ठिकाइके कहलेइक– "सुनेँ झगड़ु, एकठिन तर कथा निहि सुनलथु तअ किना हेलेइक, तँइ कसनि करेइते रहेँ– एकदिन निहि एकदिन देखबे तरे कथाँइ लक चलबथु। लकके कहबेसिन– कहेइते माना निहि करअहँ– तबे एहे सँगेँ सँगेँ तके एकटा काम करे हेतअउ। तके तअ गाँउएक लकेँ केउए निहि मानथु। गाँउएक लकके हाँथिआउए हेले आर तर मतेँ चलाउए हेले एकटा काम करे हेतअउ– गाँउए चालाकि करि एकअर सँग अकअर, इ गाँउएक लकेक सँग दसअर गाँउएक लकेक लेठा लागाउए हेतअउ। मेनेक चेटकाल हेउए हेतअउ, तके जेसअन केउए दसि करे निहि पारथु। उपरिआ एसअन एसअन कथा कहबे जेसअन लकेँ मने करता तँइअ आगुकले सुधरअलाहिस, धरमेक कथा, नितिक कथा मुहेँ कहि बुलबे आर दसअर लकेक मने धिँधा करि देबसिन। एहे कथाटा जानि राखेँ, गाँउएक लकेक मतेक मिल जतनादिन रहतेइन ततनादिन तँइ काकअउ तर पेछुँइ चलाउए निहि पारबेसिन। गाँउएक लकेक मतेक मेलटा भाँगलेइ तर बाटेँ एक तरअफेक लक हेबथु आर अहे लकगिलिनेँ तर मत मानता, तर रिति-नितिक कथाटा जुइत हेकेइक कहि मने करता"।

रामधन बाबाजिक कथागिलिन झगड़ुके आढ़ान निअर बुझालेइक। फुटिके कनअ कथा निहि कहलेइक, काहे नअ रामधन बाबाजिक कथाँइ टक देउएक निअर उठिन केउए निहि रहअरहअत। जधा-मधारा जेसअन सभे सुनि मुड़ हिलाइ 'हँ' कहि सुगुम रहला तेसने झगड़ुअ सुगुमे रहलाक। रामधन बाबाजिक ठिनले बिदाइ लेइ झगड़ु सुगुममारि घार आउए लागलाक, उदिन झगड़ुक मनेँ रिझ-फुरति नेखलेइक।

एसने करि दिन-मास-बछअर काटे लागलेइक। गाँउएँ एकअर अकअर सँग टुइएक आधेक मन धराधरि हेउए लागलेइक। छाड़अल गरु डाँगअर, छागअइरेँ दसअर गाँउएक खेतेँ आबाद खाइ छितिछान कराँइ एक गाँउएक सँग दसअर गाँउएक लकेक लिआइ बाझे लागलेइक। टुइएक आधेक मनअ मलिनटा केसे जे डागअर हेउए लागलेइक, केउए बुझे निहि पारे लागला। गाँउएँ गाँउएँ जन आखड़ा गिलिन रहेहेलेइक उगिलिन कमे लागलेइक। लक कमे लागला आखड़ाँइ। एकटा गाँउएँ एकटा आखड़ा खेजा हेइके तिन-चाइरठिन भिनु भिनु आखड़ा बाँधालेइक। मेनेक आखड़ाक नाच-खेइल कमे लागलेइक। नाच खेइलेक बाटेँ लकेक हुचुक कम हेउए लागलेइक। बन सिराले केँद झुँड़ जेसअन जिआइ रहेइक, तेसने आखड़ाँइ नाच, गित-झुमअइर कमिकुन आखड़ा नामेक ठानित गाँउएँ गाँउएँ इठिन उठिन गिरअले रहे लागलेइक। आगु सिमअइरटाँइड़ेक माहातअ बाँधेक पेइनेक पानिटा आँखबाधाक चिरा खेतेक धारिँइ धारिँइ बाहराइतेलेइक। खेतेक धारिँइ धारिँइ एकटि डँग रहेहेलि, उटि चासारा कदाइरेँ चटाइ खेतेक सँग मेसाइ देलाहेथिक। अहे डँगटिँइ आँखबाधाक खेतअ पाटेहेलेइक आर डगागाड़िक खेत ले उचराइके बाधाबाड़ि, चाटानिबाइद गटाटाइ पाटेहेलेइक। तेसने डगागाड़िक अधेँ अधेँ बहालटाँइ एकटि डँग रहेहेलि जनटिँइ इ बहालेक खेतेक पानिँइ बहालेक दिअ धारिक कानाड़िक खेतगिलिनअ

पाटेहेलेइक। चासारा एहे डँगटिअ आपअन आपअन खेतेक सँग मेसाइ देलाहेथिक। काकरअ चाइरटा बिँड़ा साँगि हेउएहेइन तअ काकरअ दुइटा बिँड़ा साँगि हेउएहेइन। तबे एहे डँग भाथा कामटाँइ सभे बाइद चासाराक दुखअ साँगि बाढ़अलाहेइन।

एहे निअर हेलाहेइक सभे गाँउए । दिन दिन डहअर चलेक सगड़ाट साँकटाइ लागलाहेइक। दुइटा गरुगाड़ि जनठिन अइलफइल घुँसेहेलेइक, अहेठिन हरेहरे गरुगाड़ि चलेक निअर डहर बाँचअलाहेइक। काकअउ कनअ कहलेइ झगड़ा। सभेकाइ आपअन आपअन सँचे लागलाहात। आपअन काज महाराज, लकेक दुख हेतेइन नअ बिपअइत हेतेइन उटा केउए निहि सँचअहत। एहे लेखेँ समाजेँ एकटा लकेक सँग दसअर लकेक चिट कमे लागअलाहेइन। एसअन किना देउआभुताक थानगिलिनअ दिन-दिन खिआइ खिआइ साँकटाहेइक।

केँदडिहेक माहातअ बाँधेक पेइनटा गाँउएक मइधटाले कुलहिमुड़ाक गरामथान तड़िक जाइके खेतेँ सामाइक। गाँउएक एक लकके देखि सभेकाइ घारबाड़िटा बाढ़ाइ बाढ़ाइ पेइनटा भाथाइ फुराउलाहात, आर पेइनेँ पानि बाहराइक निहि। बाड़िँइ बाड़िँइ गटागाँउ एकपाक डहर रहेहेलेइक, उटाउ खिआइ फुरालाहेइक। आर बाड़िबाटेँ डहअर नेखेइक।

केँदडिहेक ससटि बुढ़ाक घार गराम थानेक पासेँ। अकअर बाड़िक मुड़ाहिँ आहेइक गराम थानटा। गराम थानटाके थिरेँ थिरेँ अकअर बाड़िक सँग टुइएक टुइएक मेसाइ मेसाइ थानेक आबराटा आधा करि देलाहेइक। ताउ अकअर साँकटअ बाड़िटा साँकटअइ रहलेइक , काहे नअ अकअर रहेहेलथिक पाँच बेटा। पाँच बेटा भिनाला हेले बाड़िटा हेलेइक पाँच खेजा। गरामथानेक आबराटा कम हेलअउ ससटिबुढ़ाक बाड़िटा बाढ़लेइक निहि, उटाउ भिनाइ भिनाइ कमेहेइके।

एसने सिमअइरटाँइड़ आर केँदडिहेक देउथानगिलिनेक आबरा एके एके खिआबे करेहेइक। तेसने चँड़िथान। एहे दिअ गाँउएक दखिनबाटेँ आहेइक चँड़िथान। चँड़िथानटा एकटा टाँइड़ेक माझेँ आहेइक। पछिमबाटेँ गआला सँकरुक खेत। सँकरु बाँचि रहेइतके अहे टाँइड़टाँइ एक चटअ निहि देरहेइक। सँकरु जेसेइ मरलाक, अकअर बेटा मनटुँइ बछअरि एकबेँउ करि घुटुटाके खेतेँ मेसाउए लागलाक। एसने करि चँड़िथानेक पछिमबाटेँ घुटुटा काटि खेतेँ मेसाइ देलेइक। तबे घुरि रपामास आउएइतके अहे मनटु खेपालाक। एखन अके कामारघारले बेड़ि बनाइकुन गड़े-हाँथेँ सिकअल देइ बेड़िँइ बाँधि राखथिक। लकेँ कहअत अके अहे चँड़िथानेक भुतेँ एहे निअर कसटअ देलाहेइक, अतेक गरबिचारटा किना सहतेइक, पिड़अलाहेइक।

चँड़िथानेक सालगाछ आर जइड़ गाछटा कतेक दिनेक हेकेइक उटा केउए जानअत निहि। बुढ़ारा मेहनात जइड़ गाछटा तअ भुँइले नेखलेइक, उठिन एकटा महुल गाछ रहेहेलेइक। जइड़ गाछटा अहे महुल गाछेक ढँढ़अरेँ जनमअरहेइक। थिरेँ थिरेँ जइड़टा बा ढ़े लागलेइक आर महुल गाछटा थिरेँ थिरेँ ढढ़रअ हेउए लागलेइक। आँखिरेँ जइड़ गाछटा मटाइके मुल गाछ बनलेइक आर महुल गाछटा झइड़ेँ भाँगि, मरि सिरालेइक। गुँठुबुढ़ाँइ इ काथाटा इठिन उठिन फदड़अबे करेहेलाक अँइ जुआन गुटेक सभेके कहेतेलेइन एकदिन हामराक आपअन चारिटा थिरेँ थिरेँ मेटातेइक आर दसअर चारिँइ घेरि लेतेइक समाजटा, उखनेँ समाजेक बुइधगरराके पसताइ हेतेइन, साँझ रहेइतके सइनझा देउए हेतेइक निहितअ आपअन चारि खिआइ सिराइतके देरि निहि लागतेइक।

हिँदेँ रामधन बाबाजि, जधा आर मधाँइ धरअमेक नामे जाल बुने लागला आर झगड़ुँइ कनअ निहि बुझि अहे जालटा आड़ेक ठाँइ खजे लागलाक। आगु तअ झगड़ुक कथा केउए निहि मानेहेलथिक, आइज-काइल बहुत लक

झगड़ुक सँगेँ बइसा-उठा करअहत आर मानबअ करेहेथिक। थिरेँ थिरेँ समाजेँ रामधन, जधा-मधाराक आड़अल जालेँ लक फाँसे लागला। रामधन बाबाजिँइ समाजेँ आपअन रचअल गित-केहनि गाहेक, सुनाउएक मका पाउए लागलाक। लकेँ एहे गित-केहनिगिलिनके साँचा माने लागलेथिक। समाजेँ रामधन बाबाजि आर जधा-मधाराक माइन बाढ़े लागलेइन। मान सनमान जेसअन बाढ़े लागलेइन तेसने धनअ बाढ़े लागलेइन।

~~~~~~~~~~~
~~~~~~~~~~~

खेप - 11

(कुड़ि बछ अर बादें)

समाजें रामधन बाबाजि आर जधा-मधारा आर केउए बाँचि नेखअत। तबे अखराक डहअरें चलअइआ छाड़ा-छिटका बहुत लक पलासघुटु आर खिजुरबेड़ा मउजाँइ रामधन बाबाजिक कामगिलिन करे लागलाहात आर अलअटें छउआपुताके बिन खाटालिँइ धन जहड़ाइ पसेहेथिन। हुँदें सिमअइरटाँइड़ेक भगताक मरअन हेलाहेइक बारअ बछअर। अहेखनें सिमअइरटाँइड़ आर केँदडिह गाँउएक लकेक सँग साट हेइके झगड़ुँइ धरअमके जबअरि अकअर बापेक मरअनेक नेगजग रामधन बाबाजिके देइकेइ कराउरहेइक। गाँउएक हाल जानिके झगड़ुँइ धरअमके साँकअटें गिराउरहेइक– तबे केँदडिह गाँउएक गँहजुँइ झगड़ुक कथाटा मानले नेखलेइक, अहेखनें अकअर कथा झगड़ु आर सिमअइरटाँइड़ेक लकें धुनि देरअहेथिक। आर गुँठुबुढ़ाँइ कनअ जदि बुइध आँटेतेलाक तअ उहअ ताकअर दुइ बछअर आगुए मरअरहे। एहे कारअने झगड़ुक बतअर हेरअहेइक रामधन बाबाजिक कामे साहाइ करेक।

भगताक घाट-कामानेक बादें गित गाहि गाहि दान कराउएक नामे गाइ-गरु, छागअइर, चार, घिउ, चिउड़ा कतेक धन जे लेरअहेथिक, धरअमें एकबछअर आर सेनि निहि पाउरहे। धरअमेक बाप भगताक मरअनें रामधन बाबाजिक बेजाँइ बतअर हेरअहेइक आपअन गित केहनि गिलिन समाजें पड़चाउए। अहे खनले गाँउएँ गाँउएँ झगड़ुँइ लकके हुचकाइ रामधन बाबाजिके घाट-कामानेक कामे साहाइ करि देहेइन कहि ठेसाउए लागलेइक। उखनले निछु मरखि कामे निहि धरमेक लछनाँइ दसअर पुजापासा निहितअ आमाइसें, पुरनिमाँइ कनअ हेलअउ नाँगसाँइ रामधनके देइ पुजा-पासा कराउए तेलेइक।

तबे भगताक घाट-कामानेक लेइके बहुत लकें दसअर निअर कथा कहअत। धरअमें नअ किना सुरुखुरु रामधन बाबाजिक कथा मानिके रामधनके धान, चार, गाइ, गरु दान करेइन निहि– अके जबअरि लेरअहेथिक। लकें

कहअत– धरअमेँ अकअर बापेक घाट-सादधअँइ रामधनके सुरुखुरु मने आनेइक निहि, काहे नअ अँइ गुँठुबुढ़ाक कथागिलिन सभे सुनअरहे, जानअरहे आर बुझअरहे। धरमेक नाम करि जे ठग हड़ेँ चासिभुसि सहलअ लकके भँटेक कसनि चलेहेइक, उटा गुँठुबुढ़ाँइ घार-गाँउ जाइके सभेके सुनाउएहेलेइन। गुँठुबुढ़ा समाजेँ कनटा बेइस हेउएहेइक आर कनटा मदअ हेउएहेइक उटा जेसअन कहेतेलाक तेसने आउति दिनेँ समाजेँ केसअन करि सहलअ मनेक लक चासि-भुसि खाटअइआराके ठकाउबेथिन, डाकुरा धरमेक नामे लुइट करता, सभे बुझाइ बुलअलाहे जतनादिन अकअर गतअरटा चलेहेलेइक। गुँठुबुढ़ाँइ चासाराक आदि बसकअइत देखअलाहे, मुड़ेक घाम गड़ेँ गिराइ खाटि खाटि केसअन करि खेत बेनाउलाहात, कतेक डागअर डागअर सत टेकि, बहि घुँसाइकुन पखअइर, बाँध बनाउलाहात आर चास करि छउआपुताके पालि-पसि बड़अ करअलाहेथिन, उगिलिन सभे देखअलाहे– आर अहे खाटअल धन एके झटअकेँ डाकुरा लुटिके लेगेहेला उटाउ देखअलाहे। गुँठुबुढ़ा जतनादिन बाँचअरहे अकअर मनेक दइसतगिलिन समाजेक लकके बुझाउलाहेइन। डाकुराके मारि-पिटि तअ साबुज करे पारबेथिन समाजेक लकेँ, मेनेक धरअमेक दहाइएँ धन-दउलतेक डाकाति, लुइट हेतेइक उटा तबधाउए पारा मसकिल हेतेइक, एहे कथागिलिन कहि कहि समाजेक लकके चेटकाल करेतेलेइन गुँठुबुढ़ाँइ दिन-राइत एक करि, घार-सँगसारेक काम छाड़ि।

अहे खातिर धरअम राजि निहि हेरअहे अकअर बाप भगताक घाट कामानेँ रामधन बाबाजिके आने। मेनतुक गाँउएँ रहले गाँउएक आड़-पड़सिक कथा काटे निहि पारिके जिउ-मुड़ जाँकि राजि हेरअहे। घाट-कामानेक बादेँ रातिँइ रामधन आर अकअर सँगि जधा-मधारा अराक बेनाउअल गित गाहे लागला आर मिछला केहनि कहि कहि राइत बिताउला। बिहाने मधाँइ धरअमेक एकटि बाछुर छउआके कराँइ लेइ छाइन चापि कहे लागलेइक- रामधनेँ दानेँ जनगिलिन खजेहेइक राजि हेउए, निहितअ बाछुरटिके छाइनले भुँइए थसड़ि मराइ देतेइक। धरअम गरु मराक दाइएँ गिरताक आर समाजेक लकेँ अके घुरिके भज लेबथिक

तेसने जरिमानाउ लेबथिक। धरअमके नेगेक नाम करि घेंचाँइ साबअइ घाँसेक दड़ि पिंधाइ धरि राखअरहेइक आर धान, चार, गाइ, गरु दान देउए जेसे राजि हेउएइ अहेगिलिन कबलाइकुन हँ कराउरहेइक। रामधनेँ नेगेक नाम करि आनगाँइ धतिछिँड़ि कपिन पिँधाइ धरअमके घलटाउरहेइक– लाजेँ घारेक मेहरारुरा घार सामहाला–रामधन बाबाजिँइ नेग-नितिक नाम करि कड़राँइ पिटअरहेइक, उखनेँ धरअमेक गातेँ सड़रा उठअरहेइक। मेहरारुराके हरअइद आर दहि माखाउए अहे रामधन बाबाजिहिँ कहअरहेइन, जेसे गाथेँ लहु जमेइक निहि। एतना सभे रामधन बाबाजिँइ करअरहे नेग-रिति हेकेइक अहे लछनाँइ। रामधनेँ अकअर कामे हामता देउएक खातिर धरअमके साबुज करअरहेइक। धरअमके धरअमेक दहाइ देइ उदिन साबुज करअरहेइक रामधन बाबाजिँइ। समाजेक डरेँ, धरअमेक डरेँ धरअमेँ बाबाजिक कथागिलिन सभे मानि लेरअहे।

पुरखेनि नेगनिति मानि चलअइआ आर समाजेक कुचलअनेँ मातअइआराक ठिनले समाजके सहि दिसा देखाइ आलअक डहअरेँ डहराअइआ धरअमेँ एहे लेखेन एकधाँउ मुड़हेँट करि समाजेक पुरखेनि नितिक बाहार काम करअलाहे उटा नहेइक। एकअर आगु आरअ एकधाँउ एसअन घटअना घटअरहेइक जनटाँइ अकअर ताखअड़ कम हेरअहेइक आर अहे खनले अकअर मनेक बल आर ताहुत कम हेरअहेइक उटा हेकरहेंइक एहे निअर - समाजके सहि दिसाँइ डहराउए आर समाजेँ कुनिति, कुरिति आर कुचलअन गिलिन पँछि समाजके सुँदअर-सुथअर करि ठिक डहअरेँ डहराउए समाजेक डागअर डागअर माइनगर, बुइधगर लकगिलिन एकधाँउ एकटा बड़अ टाँइड़ेँ गठारहअत। उदिन दुनिआक नामजाइजका कुड़मि, सभे परगनाक परगनअइत, माहातअ, देउआन सभेकाइ गठाइके मनतननि कररअहत। मनतननिँइ बहुतकिछु नेग-रिति बदलअरहेइक, जनगिलिन हेलेइक घारेँ खुखड़ि राखा आर खाउआ माना, मेहरारुराक बाहारेँ एकाइ घुरा माना, मेहरारुराक नाचा, गितगाहा माना, एहे निअर आरअ बहुत नेग आर रिति।

समाजेँ नउआ नेग-निति चालु हेलेइक, अहे खनले समाज सुधरअतेइक किना नअ आरअ साँगि बगअड़ निअर बुझाहेइक। ताउ समाजके आगुबाटे बाढ़ाउए, समाजेँ उँचअ मुड़ करि बाँचि रहेक खातिर माइनगर आर बुइधगररा एसअन एकटा निअम बेनाउला जनटा मानि चलले समाजेक धनि लकेक तअ रहअम सहअम, खाटि खाउअइआरा बहुत फेरेँ गिरे लागला। समाजेँ मेहरारुरा बाहिरेँ निहि खाटले चास-आबाद हेतेइक निहि आर कनअ आबाद अरजे निहि पारले गरिबदुखिरा खाता किना, भुखेँ मरे हेतेइन, काहे नअ कुड़मिराक मुल काम हेकेइन चास। तेसने चासाराक आरअ एकटा बिरित हेलेइक गरु, छागअइर, हाँस, खुखड़ि पसा। एहे जिबगिलिन माहान सभेले साँगि आउसानेक काम हेकेइक घारेँ खुखड़ि राखा आर खाउआ। हाँस-खुखड़ि, गरु-छागइर बेचि सँगसार चलाउए साहाइ हेउएक। मेनतुक हाँस-खुखड़ि निहि राखले चासाराक सँगसार चला दाइ हेउए लागलेइन। कुटुम-बाटुमेक माइन जगाउए हाँस खुखड़ि रहले "घारेक खुखड़ि डाइल बराबअइर" निअर हेउएइक। तेँइ समाजेक नेग-निति सभेकाइ माने पारला निहि। समाजेक बहुत लकेँ एहे नउआ रिति-निति गिलिन मानला निहि, खुखड़ि पसबे करेहेथिन, मेहरारुरा टाँइड़टिकअर, खेतेँ-गठेँ काम करे जाइए लागला, काकरअ हामता मानला निहि, तेसने करअम परअबेँ, जितिआ परअबेँ आर टुसु परअबेँ बेटिछउआ मेहरारुरा गित गाहे छाड़े पारला निहि आर बुढ़ा-पुरखाराक चालु करअल रिति-निति मानि नाचअ करे लागला। छाड़ता केसे, कुड़मिराक लहुँइ अहे रितटा मेसि आहेइन। चासेक सँग एकटा नाताँइ गुँथाइल आहेइक परअब-तिहार आर नेगजग गिलिन हेकेइक परकितिक सँग एके ताले मिलअल।

समाजेँ करअम परअबेँ जाउआ नाच, जितिआँइ भादरिआ गितेँ नाच आर टुसुगित गाहाटा चालुए रहलेइक। परगनअइत, देउआनरा देखला समाजेँ एहे रितगिलिन उभड़ाउए हेले टुइएक डाँठअ हेउए हेतेइक। उ बछअर करअम परअब नेइजकालेइक हेले केँदडिह आर सिमअइरटाँइड़ेँ आगुक निअरे बेजाँइ हुबेँ एहे परअबटा मानाउए लागला। भादअर गिरलाहेइक उदिनले बेटिछउआरा

आखड़ाँइ नाचे लागलाहात। काहे नअ भादअरेक जनमअल चाँदेक एगारअ दिनें डाइर गाड़ातेइक आर जागरन हेतेइक। सिमअइरटाँइड़ गाँउएक माहातअ धरअमें कैंदडिह गाँउएक फुचु माहातअक सँग मनतननि करि थिर करअरहअत जे हामरा पिढ़िक पिढ़ि चलि आउअल गित, नाच छाड़अब निहि। अहे खातिर एहे दिअ माहातअरा आखड़ाँइ ढल-नागड़ा लेइ करअम नाचें भेदालाहात। उखनें बाजनाक तालें करअम परअब मानाउएक रित समाजें चालु रहेहेलेइक। एहे बानारटा जखन झगड़ुक काने गेलेइक उखने अँइ पलासघुटु मउजाक परगनअइतके एहे बानारटा सुनाउलेइक।

कैंदडिह आर सिमअइरटाँइड़ें नाचे मातअलाहात सभेकाइ। गाँउएक मालिक माहातअरा निजें ढल नागड़ा बाजाइ बेटिछउआराके नाचे साहाइ करेहेथिन। एसअन समअइ मतिलाल परगनअइत घड़ाक पिठें चघि पहिल आउलाक कैंदडिह गाँउएक आखड़ा। आखड़ाँइ करअम नाचे सभेकाइ माताइ आहात एसन समअइ परगनअइत आखड़ाक पासें आइके नाभलाक। कैंदडिह गाँउएक फुचु माहातअँइ परगनअइतके देखि ढलटा मुड़ले पुचकाइके डाँढ़ालाक। परगनअइतें इरखा करि कहलेइक–"बाह रे फुचु तँइ समाजेक रिति निति गिलिन मानबे किना नअ निजेइ ढल बाजाउएहिस"। डरें फुचु माहातअक राउ निहि बाहरालेइक, आर अहेठिने उदिन नाचटा सिरालेइक। अहे जे बेटिछउआक नाचटा भेसतअलेइक, उदिनले आर आखड़ाँइ बाजना बाजाइ नाच हेलेइक निहि। फुचुके माना करि मतिलाल परगनअइत गेरहे सिमअइरटाँइड़ेक आखड़ा। उठिनअ करअमके देखलेइक ढल बाजाउए आर धरअमके नागड़ा बाजाउए। नाभिकुन परगनअइतें धरअमके असने कथा कहलेइक, धरअम आर करअम दिअ भाइ लाजाला आर ढल-नागड़ा घेँचाले पुचकाउला। आइझले ढल नागड़ा बाजाइ बेटिछउआके नाचाउबाहान हेले समाजें अखराके बाइसि भज लागतेइन इ कथाटा मतिलाल परगनअइतें कहलेइन। आझुक दिन दिअ माहातक दसगिलिन मिना करि देलेइन, एहे कहि राखि परगनअइत घुरि घड़ाक पिठें चघि आपअन घार गेलाक।

समाजेँ नाउआ चलाउअल रिति-निति निहि मानले समाजेक लकेँ जरिमाना करबेथिन आर एकघेरिआ करबेथिन, अहे डरेँ ढल-नागड़ा मुड़ले पुचकाउला। आर अहेदिनले अरा घुरि ढल नागड़ा घेँचाँइ लेला निहि। इठिनअ धरअमेँ समाजेक पिढ़िक पिढ़ि चलि आउअल रिति-नितिके माइन देइ जिआइ राखे पारलाक निहि – हाइर मानि लेलाक। तबे उदिन गुँठुबुढ़ाक कथागिलिन फुचु माहातक जेसअन मने पड़अरहेइक तेसने धरअम माहातअक मने पड़अरहेइक। उदिन लाजेँ दुखेँ आँइख-मुह लाल हेरअहेइक करअम आर धरअमेक, तेसने फुचुकरअ दसा हेरअहेइक।

आइझ आर गुँठुबुढ़ाक चेटकालेक कथा काकरअ मने नेखेइन। समाजेक सभे लक धरअमेक नेसाँइ मातालाहात। बहुत लकेँ धनेक टेढ़िँइ साँगि खरअच करि समाजेँ उँचअ देखाइ हेउए एहे घाट-कामानेँ रामधन बाबाजिक चेलाराके आने लागेहेथिन। झगड़ुँइ आपअन गठ बाढ़ाइ लकके हुचकाइ, उसकाइ समाजेँ पिढ़िक पिढ़ि चलि आउअल नेग-निति गिलिनके अभड़ि दसअर चालाइना नेग-निति समाजेँ चालु करे लागलाक। झगड़ुँइ रामधन बाबाजिक ठिनले धन कामाउए जे हिँसकालाहे, बाबाजिक मरअन हेलअउ अकअर धन कामाउएक डहअरटा रहलेइके। धनि लकेँ तअ चालाइना रिति-निति गिलिन सखेँ रिझेँ, निजेक टेड़हि देखाउए मानि लेलाहात मेनेक गरिब दुखिरा आर समाजेक सभे लक अहे "धरअमेक डहअरेक काँटाँ" गड़ि गड़ि हुँगाइ हुँगाइ लहु-लाहान हेउअहत।

~~~~~~~~~~~~~
~~~~~~~~~~~~~

खेप - 12

करअम, धरअम आर फुचु माहातअ उदिन समाजेक माइनगर परगनअइतेक टिसानिंइ आर समाजेक मनगढ़ा बेनाउअल रिति-नितिक टासिलेँ आपअन जाइतेक चारिक उभड़ाउअइआ बगअड़ नितिगिलिन मानअरहत उपरिआ मनेँ। मेनेक अहे दिनले अखरा एकठिन हेइ मनतननि करि किरा खारअहत, अखरा जतनादिन बाँचि रहता, ततनादिन समाजेक आउति पिढ़िक छउआ पुताके गुँठुबुढ़ाक कहअल सिखनअइत कथागिलिन सुनाउबेथिन आर बुझाउबेथिन कन कामटाँइ समाजेक ढेइर लकेक उबगार हेतेइन आर कन कामटा करले आपअन जाइतेक, समाजेक आबगार हेतेइन। सभे लकके गुँठुबुढ़ाक आढ़ानि कथागिलिन बुझाउबेथिन। एखराक निअर खिजुरबेड़ा आर पलासघुटु मउजाँइ बहुत लक बाहराला गुँठुबुढ़ाक कथागिलिन पड़चाउअइआ आर समाजके पुरखेनि रिति मानि सुघअड़ेक डहर दिसा देखाउअइआ। अखराउ समाजेक लकके चेटकाल करेक कामे धरअम, करअम आर फुचु माहातअराके सँग देलथिन।

भुँसाक आइग निअर तरेँ तरेँ माँइ भाखि आर आपअन पुरखेनि चारि मेटाइ दसअर चारि समाजेँ चलअतक हेउएक खातिर बदला लेउए तिन पिढ़ि जरते रहलेइक धरअम, करअम, फुचु माहातअराक बँगसअराक हिआँइ। देसेक हाल पालटअलेइक, परदेसिराक अधिनेँ एहे मुलुक हेउए लागलेइक- एहे मुलुकेँ रामधन बाबाजिक डहअर दिसाँइ चलि समाजके दसअर डहअरेँ डहराउअइआ लकगिलिनेक फेसाइद हेलेइन। परदेसिरा एहे मुलुकेँ आइकुन सभे जाइतके पढ़ा-लिखा करेक मका करि देलथिन, जाइत-पाँइतेक छिनभेद समाजले हाटाउएक काम करे लागला, दसअर समाजेँ चलअतक सँइआक मरअने तिरिआके

जबअरि सति कराटाउ आइन करि माना करलेथिन समाजेँ, चरि-डाकाइति करले, काकअउ मराउले निहितअ कनअ कुचलअन करले जरिमाना, कारागार, एसन किना मरअनेक निअर सासति फाँसि देउएक आइन चालु करला। परदेसिराक बेनाउअल निति निहि मानले सासति हेतेइन, जरिमाना हेतेइन एहे डरेँ समाजेँ कुनिति, कुबिचार आर गरबिचारेक कामगिलिन कमे लागलेइक। गटा मुलुकेँ गरिब, धनि, छटअ-बड़अ सभे जाइतेक लकेक पढ़ालिखा करेक हक हेलेइन, अहे खनले काँसाइपार परगनाक खिजुरबेड़ा आर पलासघुटु मउजाक लकेँ आपअन छउआपुताके पढ़ालिखा कराउए लागलेथिन।

धरअम, करअम आर फुचु माहातअराक कथागिलिन समाजेँ पढ़ुआ बुइधगरराक मगअजेँ भुँसाक आइग निअर थिरेँ थिरेँ सुँदकेइते रहलेइक। धरअम, करअमराक मरअल तिन पिढ़ि बादेँ समाजेक गढ़नटा बदलअलेइक। आगुक निअर लक मुरुख रहला निहि। मुलुकेक आदिकथा, बिगगान हेनतेन पढ़ि पढ़ि गिआन बाढ़े लागलेइन। परदेसेक लक एहे मुलुक आइके जेसअन लकेक उबगार हेउए लागलेइन तेसने एहे मुलुकेँ आइके अखरा आपअन फइदाक काम करे एसअन एसअन निति बेनाउए लागला उ नितिँइ एहे मुलुकेक लकेक धन चुसि काँगाल करे लागलेथिन, एहे मुलुकेक लक खाटि मरता आर अखरा कम खाटालिँइ सुखेक हालेँ जिनगानि पुहाउए लकके गरु-काड़ा निअर खाटाइके धन सँगराउए लागला। परदेसिरा एहे मुलुकेक धन सँगराइके आपअन मुलुक भेजे लागला। एहे बगअड़ निति एहे मुलुकेक लकेँ चले देलथिक निहि, हामदुमि करे लागला। एहे मुलुकेक जुआनराक लहु रागेँ बरके लागलेइन-परदेसिराके खेदे हामदुमि करला-परदेसिराके खेदे जेसअन रघु ठेसलाक, तेसने गबिनदअ, चुना, सितअल, सहअदेब, गाजु, भगअत, कुसअल, पुरनु, गकला, हाराधन, गनेस, हरि, छुटु, मनि, जुगला, कमल, मनटु, बिनदा, बुधुआक निअर जुआन उमअइरेक

बेटाछउआरा परदेसिराक एहे मुलुकले खेदे ठेसला। निछु बेटाछउआराइ निहि परदेसि निति निहि मानअब कहि सिरअमनि, भाबिनि, बुलि, महिनि, सुसनि, तुलसि, भबानिक निअर आरअ बेटिछउआउ अहे गुँठुबुढ़ाक निति जानि बुझि परदेसिराके खेदाउए हामदुमिँइ ठेसला। एहे मुलुकेक जुआन गठेक ठिन हाइर मानि आँखिरेँ परदेसिरा एहे मुलुक छाड़ि पाराला।

मुलुकेक लकेँ परदेसिराक ठिनले आपअन माँइभुँइ तअ बाँचाउला मेनेक एहे मुलुकटा धरअमेक जालेँ आरअ साँगि अझबझालेइक। एसअन बुझाहेइक जे आइझअ एहे मुलुकटा भिनदेसेक अधिने आहेइके।

थिरेँ थिरेँ लिखापढ़ा सिखि आपअन हक सभे लकेँ जाने पारअहत। खिजुरबेड़ा आर पलासघुटु मउजाहुँ पढ़ालिखा करि लक बुइधगर हेला, चेटकाल हेला, लकेँ जाने पारला समाजेँ कन रिति-निति गिलिने लकेक उबगार हेतेइन, तेसने कन रिति-निति गिलिनेँ समाजेक लकेक आबगार हेतेइन। समाजेँ चलअतक कन चारि गिलिनेक दरकार आहेइक, कन रिति-नितिँइ लकेक धन, दउलत चुसेहेथिन। कम खाटालिँइ केसे करि सुखेँ जिनगानि बिताउए हेतेइक अहे बेहुँटा लकेँ सिखे लागला, एहे लेखेन सभेकाइ चेटकाल हेला। गुँठुबुढ़ाक समाज चेटकालेक कथागिलिन आगु जाखरा निहि बुझे पारेहेला, आइझ उगिलिन बहुत लकेँ बुझे पारअहत। अहे खातिर समाजेँ बहुत माइनगर, बुइधगर लकेक जनअम हेलेइन।

परदेसेक निति समाजेँ एसअन भेदालेइक जेसअन दुधेँ पानि मेसाउअल आहेइक। भिनदेसेक नितिगिलिनेँ समाजेक चारिँइ एसअन मेसलाहेइक, जे आइझ समाजेक साँगि लकेँ एहे नितिगिलिनके आपअन पुरखेनि नेग-निति निअरे सँचे लागअलाहात।

तेँइ आइझ दरकार हेउएहेइक एहे समाजेक चलअतक चारिक खुँटिनाटि खदिनदि करेक। गुँठुबुढ़ाक समाजके चेटकाल करेक कथागिलिन आइझ समाजेँ सभेले दामि कहि बुझाहेइक। धरअमेक डहअरेँ जन जन काँटाँइ समाज, चारि आर एहे मुलुकेक बसकअइतारा लहुलाहान हेउअहत अहे काँटागिलिन उरिआइ साफा करे आझुक जुआन गुठ ठेसअलाहात। धरअम, फुचु, फुचन आर गुँठुबुढ़ाक निअर एहे मुलुकेक बुइधगर, माहुड़, समाजेक चेटकाइला लकेक बँगसेक छउआ पुतारा जेसअन खुदिराम, पददअलचअन, बिनदाबन, ससि, तरनि, नाराइन, सिरिपदअ, रामेससर, अननतअ, आननदअ, अजित, सुजित, राजेस, ससाँगकअ, जुधिसटिर, धुरबअ, सुनिल, निपेन, पसेनजित, सनतुस कर निअर आरअ ढेइर ढेइर समाज कामिआ दिनराइत एक करि लुझि पड़अलाहात आपअन माँइभाखि आर पुरखेनि चारि जिआइ राखेक खातिर हामदुमि करे। पढ़िलिखि आपअन जाइतेक आदिकथा जानि, आपअन बुढ़ापुरखाराक बेनाउअल चारिक खदिनदि करि - बिगगान आर जुकति देइ बुझि, हालेँ जुआन उमअइरेक छउआराक लहु डबकि उठेहेइन। गुँठुबुढ़ाक मनेक ठानअनि आर समाज चेटकाल करेक नितिक कथागिलिन साँचा हेतेइक एहे निअर बुझाहेइक। समाज जागि उठेहेइक, आस जागेहेइक जुआन उमअइरेक लहुँइ "धरअमेक डहअरेँ काँटा" गिलिनके फेड़ले ताड़ि उपड़ाइ समाज आर चारिके सुथअर आर सुघअड़ करबेथिके।

~~~~~~~~~~~~~~~~

~ सिरान ~
~~~~~~~~~~~~~~~~

चिसअइआक चिनहाप

समभुनाथ माहातअ (बँसरिआर)

[एम. कम. आर एम. ए. (कुड़मालि), नेट पास]

गाँउ- हैँटजाड़ि, डाकघार- उपरजाड़ि, थाना- आड़सा, जेला-पुरुइला (प: ब:)

पिन-723201, मबाइल नमबर- 9932587940

चिसअल पँथि - सतिघात, भाँउअर, कुड़मालि चारि, कुड़मालि चारिक खदिनदि, उदअम भाखि नेतेँ कुड़मालि, कुड़मालि भाखिक धचअर, कुड़मालि पढ़ार्के अड़, कुड़मालिँइ पहिल डेग-१, कुड़मालिँइ पहिल डेग-२, अलअटेँ कुड़मालि सिखा-१, अलअटेँ कुड़मालि सिखा-२

सँजुआल पँथि – पुरखेनि गित गुँछि, धँधउरा, जहार करम, लते लते बिहागित, लते लते करमगित, पुरखेनि सँहरइ गित, माहाराइ,

छापाइ मुहाल पँथि – कुड़मालि लक सँगअत, साड़ाभाँड़ार हेनतेन

9 788196 308186